Volume 6 | Issue 01 | January 2026

Price Rs 60

BullionWorld

World of Bullion Research

www.bullionworld.in

माइनिंग इंडाबा 2026 में क्या अपेक्षा करें
10

एचयूआईडी (HUID) स्वर्ण आभूषणों का हॉलमार्किंगः आगे की यात्रा
श्री जेम्स जोस
14

जमानत के रूप में चांदीः संभावनाएँ, चुनौतियाँ और आगे का रास्ता
18

4th
23-25 APRIL 2026
HYATT REGENCY DEHRADUN
RESORT & SPA
MARK YOUR DATES
www.silverconference.in
HYATT REGENCY
@ the foothills of Malsi Forest & Mussoorie

2026 ASIA PACIFIC
PRECIOUS METALS
CONFERENCE
(9TH EDITION)
14-16 JUNE 2026
SHANGRI-LA HOTEL | ORANGE GROVE ROAD | SINGAPORE
SBMA
CONNECTING MARKETS.
SHAPING FUTURE.
MARK
YOUR
DATES
www.asiapacificpmc.com

INDIA GOLD CONFERENCE

Where The World
Meets **India**

MARK YOUR DATES

20-23 Aug 2026

TAJ CIDADE DE GOA HORIZON

GOA

www.goldconference.in

SAM PRECIOUS METALS
Cast With Pride.
Minted With Prestige.
Fine Gold & Silver crafted with mastery
Setting benchmarks of purity and
quality in the world of precious metals.
+971 4 874 8668
sampreciousmetals
sampreciousmetals
www.sampreciousmetals.com
info@sampreciousmetals.com
WE KNOW WHAT
PRECIOUS REALLY MEANS

THE WORLD'S MOST CONSIDERATE® PRECIOUS METALS

ABC REFINERY
A PALLION COMPANY
abcrefinery.com

ABC BULLION
A PALLION COMPANY
abcbullion.com

LBMA GOOD DELIVERY REFINER · CME Group · SBMA · NATA ACCREDITED FOR TECHNICAL COMPETENCE · STANDARDS Australia · IEC · ilac · AUSTRALIAN MADE · GRI

REFINED TO PERFECTION
TRUSTED WORLDWIDE

Al Etihad Gold, certified under the UAE Good Delivery standard, provides exceptional precious metal services across international markets.

CATALOG

AL ETIHAD GOLD

+971 4 242 4813

info@aletihadgold.com

www.aletihadgold.com

Dubai, United Arab Emirates

ideaeXperts.com

EXCHANGE TRADED BULLION CONTRACTS -

FAIR AND TRANSPARENT MEANS OF INVESTMENT

SMALLER DENOMINATION GOLD & SILVER FUTURES CONTRACTS

Developing gold and silver as an asset class. Investment in smaller denomination contracts backed with delivery is witnessing an increasing interest from retail participants.

Smaller denomination contracts are designed to cater to the organized retail investor demand. They also capture the imagination of a fast emerging new-age clientele with an evolving view on gold and silver as an investment class.

SALIENT FEATURES

- Smaller denomination contract
- Coins and bars can be held and accumulated in the electronic format and physical delivery also available
- It comes with an individual assaying certificate with quality assurance
- Convenience of transaction and liquidity of exchange platform are key advantages
- Better Cash flow management and margin protection
- Inventory hedging amid volatile prices

Issued in Public Interest by MCX IPF
Read the Risk Disclosure Document (RDD) carefully before transacting or investing in Commodity Derivatives Market

MCX
METAL & ENERGY
Trade with Trust
MCX INVESTOR PROTECTION FUND

ADVISORY BOARD

सलाहकार मंडल

राजेश खोसला
पृथ्वीराज कोठारी
भार्गव वैद्य
सुरेन्द्र मेहता

निदेशक एवं सीईओ
जी श्रीवत्सव

निदेशक एवं सीओओ
विनायक मेहरवडे

उपाध्यक्ष
अभिनया एस
स्वप्ना बी ई

सामग्री टीम
एन श्रीनिवास मूर्ति, प्रतीक तांबे

विपणन टीम
रवि भांडगे, प्राजक्ता सरदेसाई

ग्राफिक डिज़ाइनर
राधिका के, सतियन के

वेब डेवलपर
मणिवन्नन, इमयावरंबन जी

अनुवादक
खुशी वर्मा

डेटा सहायता
गजेन्द्र, संजय

टीम
वेंकट्रमान एस, कृष्णेंदु रॉय, नवीन
निक्षेप टी ए, सिंधु होस्मनी, श्रीकांतारमन
एलएस चंद्रशेखरन एस,शिवकुमार, सुमलता
जयशिलन, राम्या, वरुण

वीडियोग्राफर
आर ए जिराली

प्रकाशन कार्यालय
बुलियन वर्ल्ड
#146, 1-2 फ़्लोर, गोपाल टावर्स,
रामय्या स्ट्रीट, एचएएल एयरपोर्ट रोड,
कोडिहल्ली, बेंगलुरु - 560008
फोनः +91-80-41535476, +91 9343734140
ईमेलः editor@bullionworld.in
वेबः www.bullionworld.in

स्पष्टीकरणः
बुलियन वर्ल्ड न तो विज्ञापित उत्पाद, सेवा या कंपनी का समर्थन करता है और न ही किसी विज्ञापन या विज्ञापनदाता द्वारा किए गए दावों का। पाठकों को किसी भी कार्रवाई से पहले आवश्यक जांच-पड़ताल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। यदि आप किसी विज्ञापनदाता पर प्रतिक्रिया साझा करना चाहते हैं, तो कृपया editor@bullionworld.in पर लिखें।

10
माइनिंग इंडाबा 2026 में क्या अपेक्षा करें

14
एचयूआईडी (HUID)स्वर्ण आभूषणों का हॉलमार्किंगः आगे की यात्रा
श्री जेम्स जोस

16
समुद्री क्षेत्र में स्वर्ण कंसंट्रेट्स के अवैध प्रवाह

18
जमानत के रूप में चांदीः संभावनाएँ,
चुनौतियाँ और आगे का रास्ता

23
चांदी, अगली पीढ़ी की धातुः सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और एआई
कैसे औद्योगिक मांग को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं

24
मॉर्गन एडवांस्ड मैटेरियल्स – WESGO® मेटल्स और सिल्वर ब्रेज़िंग
मिश्रधातुओं का विज्ञान

28
चांदी में इंजीनियरिंग विश्वसनीयताः
यूमिकोर के इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट बिजनेस के अंदर

32
जब सोना मिलता है कोड सेः कीमती धातुओं के टोकनाइजेशन
में गहन अध्ययन

36
समग्र इलियट वेव विश्लेषण सोने के ऐतिहासिक बुल मार्केट का
श्री राजीव दारजी

37
चांदी की एलीट वेव यात्राः 2026 में सुधार की संभावना या $110 तक
पेराबोलिक उछाल? श्री वेंकटरामन एस

संपादक का संदेश

प्रिय पाठकों

ऐसे समय में जब चाँदी की कीमतें मजबूत बनी हुई हैं और बाज़ार की चर्चाएँ लगातार एक स्थायी संरचनात्मक कमी (structural deficit) की अवधारणा के इर्द-गिर्द घूम रही हैं, यह ठहरकर देखने का उचित अवसर है कि क्या प्रचलित नैरेटिव वास्तव में चाँदी के बाज़ार की वास्तविकता को पूरी तरह प्रतिबिंबित करता है। हाल के वर्षों में यह धारणा ज़ोर पकड़ रही है कि चाँदी की मांग लगातार आपूर्ति से अधिक रही है–लेकिन चार वर्ष पहले तक ऐसा कोई उदाहरण नहीं था जहाँ मांग, आपूर्ति से आगे निकल गई हो। यह बात अपने आप में दिशा के स्तर पर सही है, किंतु यह कहीं अधिक जटिल प्रणाली को अत्यधिक सरल रूप में प्रस्तुत करने का जोखिम भी रखती है।

चर्चा में जो बात अक्सर छूट जाती है, वह है भूमि-ऊपर उपलब्ध चांदी के भंडार की भूमिका। उपभोग योग्य वस्तुओं के विपरीत, चांदी का उपयोग प्रायः गैर-विनाशकारी होता है। खनन चक्र से बाहर भी बड़ी मात्रा में चांदी उपलब्ध है, जैसे कि बुलियन, सिक्के, औद्योगिक भंडार और पुनर्चक्रण योग्य स्क्रैप के रूप में। ये भंडार समाप्त नहीं होते; वे बाजार में उपलब्ध बने रहते हैं और मूल्य प्रोत्साहन या रणनीतिक आवश्यकताओं के उत्पन्न होने पर आपूर्ति श्रृंखला में पुनः प्रवेश कर सकते हैं।

यह अंतर अत्यंत महत्वपूर्ण है। जब मांग आपूर्ति से अधिक हो जाती है, तो बाजार का आपूर्ति पक्ष तुरंत उच्च उत्पादन के माध्यम से प्रतिक्रिया नहीं देता–नई खनन क्षमता पूंजी-प्रधान होती है, समय-साध्य होती है, और नियमों तथा लागत से बढ़ती हुई सीमाओं में बंधी होती है।

यह संदर्भ तब और भी महत्वपूर्ण हो जाता है जब प्रमुख बाजारों, विशेषकर चीन, में नीतिगत कदमों का मूल्यांकन किया जाता है। चांदी के निर्यात पर प्रतिबंधों को अक्सर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में विकृतियों और घरेलू कमी के संकेत के रूप में देखा जाता है। हालांकि, ऐसे निष्कर्ष एक महत्वपूर्ण तथ्य की अनदेखी करते हैं: सार्वजनिक रूप से उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, चीन घरेलू उत्पादन की तुलना में लगभग दोगुनी मात्रा में चांदी का आयात करता है। अलग-थलग होने से दूर, चीन वैश्विक चांदी प्रवाह में गहराई से एकीकृत बना हुआ है।

इसलिए चीन का निर्यात सीमित करने का निर्णय किसी घबराहट की प्रतिक्रिया के रूप में नहीं, बल्कि एक रणनीतिक विकल्प के रूप में बेहतर समझा जाना चाहिए। चांदी को अपनी सीमाओं के भीतर बनाए रखकर, देश इस धातु को एक स्वतंत्र रूप से व्यापार योग्य वस्तु की बजाय एक रणनीतिक औद्योगिक और मौद्रिक संसाधन के रूप में देखता हुआ प्रतीत होता है। यह दृष्टिकोण व्यापक वैश्विक रुझानों के अनुरूप है, जहाँ महत्वपूर्ण सामग्रियों को अब शुद्ध बाजार दक्षता के बजाय आपूर्ति-श्रृंखला सुरक्षा के दृष्टिकोण से अधिक देखा जा रहा है।

उद्योग के प्रतिभागियों के लिए निहितार्थ स्पष्ट है। मुख्य जोखिम अब केवल मूल्य अस्थिरता नहीं है, बल्कि पहुंच और उपलब्धता है। जैसे-जैसे चांदी की भूमिका एक आसानी से परिसंचारित होने वाली वस्तु से एक रणनीतिक रूप से प्रबंधित संसाधन में विकसित हो रही है, बाजार प्रतिभागियों को अपनी खरीद, जोखिम प्रबंधन और दीर्घ कालिक योजना को उसके अनुसार ढालना होगा। चांदी बाजार में धातु की कमी नहीं हो रही है। जो बदल रहा है वह यह है कि यह धातु कैसे, कहां, कब और किस कीमत पर उपलब्ध कराई जाती है।

बुलियन वर्ल्ड के इस संस्करण में, हम माइनिंग इंडाबा से विशेषज्ञों की अंतर्दृष्टि प्रस्तुत कर रहे हैं, जिसमें कीमती धातुओं के लिए म्मेलन की प्रमुख अपेक्षाओं को रेखांकित किया गया है। इसके बाद श्री जेम्स जोसे द्वारा एचयूआईडी स्वर्ण हॉलमार्किंग पर एक अपडेट और आगे की राह प्रस्तुत की गई है। हमने ओईसीडी और सिल्वर इंस्टीट्यूट की प्रामाणिक रिपोर्टों से भी सामग्री ली है। इस अंक में आगे श्री राजीव दारजी द्वारा सोने के लिए और श्री वेंकटरमन द्वारा चांदी के लिए एलियट वेव विश्लेषण शामिल है। हमारी इन-हाउस टीम 2025 से जुड़े केंद्रीय बैंक गतिविधियों और प्रमुख नीति परिवर्तनों पर लेखों के साथ इसे पूर्ण करती है।

सादर शुभकामनाओं सहित,
जी. श्रीवत्सव
संपादक

हम इस अंक की सामग्री पर आपके सुझाव और प्रतिक्रियाएँ प्राप्त करके प्रसन्न होंगे।
कृपया editor@bullionworld.in पर हमें लिखें।

माइनिंग इंडाबा 2026 में क्या अपेक्षा करें

माइनिंग इंडाबा 2026 अफ्रीका की कीमती धातुओं की कहानी के लिए एक निर्णायक क्षण के रूप में उभर रहा है, जहाँ केप टाउन में चार गहन दिनों के दौरान नेतृत्व पैनलों, कमोडिटी स्पॉटलाइट्स और डीलमेकिंग फोरम्स में सोना और पीजीएम (PGMs) प्रमुख रूप से शामिल रहेंगे। बुलियन, आभूषण और रिफाइनिंग क्षेत्र के हितधारकों के लिए, यह कार्यक्रम मूल्य पर निगरानी से आगे बढ़कर वैल्यू चेन निर्माण की ओर संकेत करता है, जहाँ सोना, चांदी और पीजीएम को अफ्रीकी औद्योगिकीकरण, हरित ऊर्जा और पूंजी प्रवाह के रणनीतिक सक्षमकर्ताओं के रूप में प्रस्तुत किया गया है।

थीम और फ्रेमिंगः
सोना और पीजीएम के इर्द-गिर्द साझेदारियाँ :2026 की समग्र थीम, "साथ मिलकर अधिक मजबूतः साझेदारियों के माध्यम से प्रगति", यह निर्धारित करती है कि कीमती धातुओं पर चर्चा किस तरह होगी–उन्हें अलग-थलग वस्तुओं के रूप में नहीं, बल्कि सहयोगात्मक निवेश, अवसंरचना और वैल्यू ऐडिशन (बेनिफिशिएशन) के आधार स्तंभों के रूप में देखा जाएगा। पूर्ण सत्रों (प्लेनरी) और मंत्रीस्तरीय बैठकों में सोना और पीजीएम को रेल, ऊर्जा, स्मेल्टिंग और रिफाइनिंग रणनीतियों से जोड़ने की अपेक्षा है, जहाँ अफ्रीकी सरकारें केवल अयस्क निर्यात के बजाय एकीकृत कीमती धातु मूल्य श्रृंखलाओं को प्रस्तुत करेंगी।

चार दिनों के दौरान, मुख्य मंच की सामग्री को एक "विश्व स्तरीय कंटेंट कार्यक्रम" के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें रणनीतिक दृष्टिकोण, नीतिगत अपडेट और निवेशक-उन्मुख विश्लेषण का संयोजन होगा। अफ्रीकी निर्यात राजस्व और राजकोषीय स्थिरता में उनके महत्व को देखते हुए, इसमें स्वाभाविक रूप से सोना और पीजीएम शामिल होंगे। उच्च सोने की कीमतों, हाइड्रोजन और ऑटो-कैटेलिस्ट्स में प्लेटिनम समूह धातुओं की भूमिका, तथा अफ्रीका के भंडार आधार का व्यापक आर्थिक विविधीकरण के लिए कैसे उपयोग किया जा सकता है–इन सभी पर बार-बार संदर्भ दिए जाने की अपेक्षा है।

दिन-दर-दिनः जहाँ कीमती धातुएँ प्रमुख रहेंगी

हालाँकि विस्तृत एजेंडा अभी पूरी तरह तैयार किया जा रहा है, फिर भी 2026 के सम्मेलन कार्यक्रम में कई ऐसे सत्र और स्ट्रीम्स को रेखांकित किया गया है, जहाँ लगभग चार दिनों (9–12 फरवरी) के दौरान कीमती धातुओं पर विशेष ध्यान केंद्रित रहेगा।

उद्घाटन और नेतृत्व दिवस

- राष्ट्राध्यक्षों और मंत्रीस्तरीय मुख्य भाषणों में सोना और पीजीएम को राजकोषीय लचीलापन और ऊर्जा संक्रमण– दोनों के लिए "महत्वपूर्ण" के रूप में उजागर किए जाने की संभावना है, विशेष रूप से दक्षिण अफ्रीका, घाना, तंज़ानिया और अन्य सोना एवं पीजीएम-प्रधान क्षेत्रों के संदर्भ में।
- प्रारंभिक एजेंडा में "जीवन बचाने वाला नेतृत्व" और सुरक्षित खनन पर केंद्रित एक नेतृत्व सत्र भी संकेतित है, जिसमें गहन-स्तरीय सोना और पीजीएम संचालन अवश्य शामिल होंगे, जहाँ सुरक्षा, यंत्रीकरण और सामाजिक प्रदर्शन कड़ी जाँच के दायरे में हैं।

कमोडिटी और निवेशक-केंद्रित सत्र

- समर्पित कमोडिटी सत्र, जिनमें "कमोडिटी फोकस – पीजीएम" जैसे सत्र शामिल होंगे, प्लेटिनम, पैलेडियम और रोडियम में मांग के रुझानों, मूल्य परिदृश्य और परियोजना पाइपलाइनों पर खुले संवाद की पेशकश करेंगे, जिनके निहितार्थ खदानों की आयु, बंदीकरण और नई शाफ्ट्स पर होंगे।

निवेशक-उन्मुख पैनलों में पोर्टफोलियो विविधीकरण, क्षेत्राधिकार जोखिम और ईएसजी प्रदर्शन के संदर्भ में सोना, चांदी और पीजीएम को शामिल किए जाने की अपेक्षा है, जहाँ अफ्रीकी उत्पादक वैश्विक फंडों के समक्ष जोखिम-नियंत्रित विकास की कहानियाँ प्रस्तुत करेंगे।

तकनीकी और स्थिरता स्ट्रीम्स

- तकनीकी ब्रेकआउट सत्रों में ऊर्जा-गहन सोना और पीजीएम खदानों के डीकार्बनाइज़ेशन, जल प्रबंधन और टेलिंग्स में नवाचार पर चर्चा होने की संभावना है, जो "सतत विकास" और ईएसजी-लिंक्ड फाइनेंसिंग पर इंडाबा के जोर को दर्शाता है।
- "निकर्षण से नवाचार तक" और "विविधीकरण के लिए संसाधन संपदा" पर सत्र यह समीक्षा करेंगे कि रिफाइनिंग, आभूषण निर्माण और पीजीएम-आधारित औद्योगिक उपयोग (फ्यूल सेल, कैटेलिस्ट) को विदेश स्थानांतरित करने के बजाय देश के भीतर किस प्रकार विस्तार दिया जा सकता है।

डील रूम्स, शोकेसेज़ और कीमती धातुओं पर बोलने वाले वक्ता

- माइनिंग इंडाबा 2026 एक बार फिर संरचित प्लेटफॉर्म्स पर विशेष रूप से जोर देगा, जो कीमती धातुओं से जुड़े समुदाय के लिए अत्यंत प्रासंगिक हैं।

कंट्री शोकेसेज़

- दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे, जाम्बिया और घाना जैसे सोना और पीजीएम-समृद्ध देश कंट्री शोकेसेज़ का उपयोग नए लाइसेंस, विस्तार और रिफाइनिंग, आभूषण तथा ऑटो-कैटेलिस्ट निर्माण में डाउनस्ट्रीम अवसरों को प्रस्तुत करने के लिए किए जाने की संभावना है।

इन सत्रों में सामान्यतः मंत्रीस्तरीय प्रस्तुतियाँ, भूवैज्ञानिक अवलोकन और प्रमुख सोना एवं पीजीएम खदानों के केस स्टडी शामिल होते हैं, जो निवेशकों और ऑफटेकर्स को परियोजनाओं की संभावित पाइपलाइन का दृष्टिकोण प्रदान करते हैं।

एक्सप्लोरर्स और जूनियर माइनिंग शोकेसेज़

- प्रारंभिक चरण के सोना और पीजीएम खोजकर्ता (एक्सप्लोरर्स) इन प्लेटफॉर्म्स का उपयोग ग्रीनफील्ड और ब्राउनफील्ड परियोजनाओं के लिए दृश्यता और पूंजी जुटाने हेतु करेंगे, जिसमें कम-अन्वेषित क्षेत्रों और मौजूदा खनन कैंप्स के विस्तार पर विशेष ध्यान रहेगा।
- बुलियन बाज़ार के पाठकों के लिए, यही वह मंच है जहाँ भविष्य के औंस आकार ले रहे हैं–संसाधन सीमांकन, धातुकर्म और अवसंरचना से जुड़ी धारणाएँ, जो आगे चलकर लागत संरचनाओं और आपूर्ति सुरक्षा को निर्धारित करेंगी।

इन्वेस्टमेंट लाउंज और वन-ऑन-वन बैठकें

- इन्वेस्टमेंट लाउंज में सोना और पीजीएम कंपनियों, प्राइवेट इक्विटी, स्ट्रीमिंग/रॉयल्टी फर्मों और बैंकों के बीच लक्षित बैठकों का आयोजन होगा, जहाँ बातचीत में ईएसजी शर्तों और स्थानीय सामग्री आवश्यकताओं को सौदे की शर्तों में लगातार अधिक समाहित किया जाएगा।
- डाउनस्ट्रीम खरीदार–रिफाइनर्स, फैब्रिकेटर्स, ऑटो और हाइड्रोजन ओईएम्स–को 2026 में अधिक स्पष्ट रूप से आकर्षित किया जा रहा है, जिससे पीजीएम और सोने में दीर्घकालिक ऑफटेक तथा मूल्य जोखिम प्रबंधन पर चर्चाओं के लिए स्थान बनेगा।

ईएसजी, समुदाय और संचालन की सामाजिक स्वीकृति (लाइसेंस टू ऑपरेट)

2026 की फ्रेमिंग में एक उल्लेखनीय रुझान समुदाय के हितधारकों, आदिवासी प्रतिनिधियों और डाउनस्ट्रीम खरीदारों की बढ़ती प्रमुखता है, जो उनकी सामाजिक पहुँच और कारीगर आयामों के कारण अनिवार्य रूप से कीमती धातुओं से जुड़ी होगी। "समावेशी, न्यायसंगत प्रगति" और "स्थानीय लाभ" पर पैनल इस बात का विश्लेषण करेंगे कि सोना और पीजीएम परियोजनाएँ रोजगार, खरीद, राजस्व साझेदारी और सामुदायिक अवसंरचना के माध्यम से मूल्य कैसे साझा करती हैं, और केवल अनुपालन की औपचारिकताओं से आगे कैसे बढ़ती हैं।

नीति और विनियमन पर सत्र रॉयल्टी व्यवस्थाओं, बेनिफिशिएशन अनिवार्यताओं और स्थानीय सामग्री नियमों की भी पड़ताल करेंगे, जो विशेष रूप से दक्षिण अफ्रीका और पड़ोसी क्षेत्रों में सोना और पीजीएम संचालन को असमान रूप से प्रभावित करते हैं। प्रतिस्पर्धात्मकता, राजकोषीय हिस्सेदारी और रिफाइनिंग, फैब्रिकेशन तथा कीमती धातुओं के रीसाइक्लिंग में देश के भीतर मूल्य संवर्धन की माँगों के बीच संतुलन कैसे साधा जाए–इस पर सशक्त बहस की अपेक्षा है।

Every step tracked, verified, secured by latest technology

Committed to Securing Your Trust

End-to-end digital control
with Sequel247

SEBI REGISTERED VAULT MANAGER
IN/VM/001/2022

IFSCA
IFSC/VM/2021-22/001

LBMA AFFILIATE MEMBER

RESPONSIBLE JEWELLERY COUNCIL

TAPA APAC
Transported Asset Protection Association
C672556

एचयूआईडी (HUID) स्वर्ण आभूषणों का हॉलमार्किंग: आगे की यात्रा

श्री जेम्स जोस,
अध्यक्ष – हॉलमार्किंग फेडरेशन ऑफ इंडिया

जुलाई 2021 में लागू किया गया विशिष्ट हॉलमार्क यूनिक आइडेंटिफिकेशन (HUID) नंबर के साथ स्वर्ण आभूषणों का अनिवार्य हॉलमार्किंग, भारत के आभूषण पारिस्थितिकी तंत्र को तेज़ी से पुन:आकार दे चुका है। मात्र साढ़े चार वर्षों में लगभग 57 करोड़ आभूषणों का हॉलमार्किंग कर उन्हें बीआईएस पोर्टल पर दर्ज किया गया है, और प्रत्येक आभूषण को बीआईएस केयर ऐप पर "Verify HUID" डैशबोर्ड के माध्यम से सत्यापित किया जा सकता है। प्रत्येक आभूषण को उसके स्रोत से जोड़ने वाली यह एंड-टू-एंड डिजिटल ट्रेसबिलिटी वैश्विक हॉलमार्किंग प्रथाओं में लगभग अद्वितीय है।

पैमाने और पहुँच में विस्तार

हॉलमार्किंग व्यवस्था ने वैल्यू चेन के पूरे दायरे में उल्लेखनीय विस्तार किया है। अनिवार्य चरण की शुरुआत में जहाँ बीआईएस-पंजीकृत ज्वैलर्स की संख्या लगभग 25,000 थी, वह आज बढ़कर लगभग 1.9 लाख पंजीकृत स्वर्ण विक्रेताओं और लगभग 24,000 रजत विक्रेताओं तक पहुँच गई है। अस्सेइंग और हॉलमार्किंग क्षमता भी बढ़कर लगभग 1,600 बीआईएस-मान्यता प्राप्त केंद्रों तक पहुँच चुकी है, जो अनिवार्य व्यवस्था के अंतर्गत शामिल लगभग 375 जिलों में संचालित हो रहे हैं।

ये केंद्र अब प्रतिवर्ष लगभग 12 करोड़ आभूषणों का हॉलमार्किंग कर रहे हैं, जो पहले लगभग 3.5 करोड़ था, और यह अनुमानित रूप से सालाना लगभग 1,200 टन आभूषणों के बराबर है। हालाँकि 2 ग्राम से कम वजन वाले आभूषणों को छूट प्राप्त है, फिर भी उपभोक्ता मांग के कारण लगभग 22% हॉलमार्क किए गए आभूषण इसी हल्के वजन की श्रेणी में आते हैं, जबकि जड़े हुए आभूषण, कुंदन, जड़ाऊ और पोल्की जैसी छूट प्राप्त श्रेणियाँ अभी भी बड़े पैमाने पर अनिवार्य दायरे से बाहर हैं।

अनिवार्य व्यवस्था में संरचनात्मक खामियाँ

तेज़ विस्तार ने कमजोरियों को भी उजागर किया है। अनिवार्य प्रणाली के तहत, हॉलमार्किंग की जिम्मेदारी खुदरा ज्वैलर्स से हटकर अपस्ट्रीम में पहले बिक्री बिंदु–निर्माताओं और विक्रेताओं–पर स्थानांतरित हो गई है। जो हॉलमार्किंग पहले खुदरा बाज़ारों के आसपास केंद्रित थी, वह अब दस प्रमुख आभूषण निर्माण केंद्रों में अत्यधिक सघन हो गई है, जो मिलकर कुल हॉलमार्किंग व्यवसाय का लगभग 70% संभालते हैं।

इस स्थानांतरण ने छोटे शहरों और कस्बों में स्थित केंद्रों की व्यवहार्यता को कमजोर कर दिया है, जिसके परिणामस्वरूप पूरे भारत में लगभग 200 अस्सेइंग और हॉलमार्किंग केंद्र बंद हो गए हैं। खुदरा ज्वैलर्स और उनके निकट स्थित हॉलमार्किंग केंद्रों के बीच बढ़ती दूरी ने विक्रेताओं को किसी भी सुविधाजनक हॉलमार्किंग सुविधा को चुनने की गुंजाइश दी है, जहाँ कभी-कभी कठोरता की बजाय गति को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे गुणवत्ता मानकों में क्षरण का जोखिम बढ़ गया है।

HUID डुप्लीकेशन की समस्या

सबसे गंभीर चुनौती घटिया गुणवत्ता वाले या बेहिसाब आभूषणों पर वास्तविक HUID नंबरों की नकल (डुप्लीकेशन) है। कोई विक्रेता दस चूड़ियों का हॉलमार्किंग कराकर दस प्रामाणिक HUID प्राप्त कर सकता है और फिर उन्हीं नंबरों को बिना हिसाब-किताब बनाए गए, समान दिखने वाली सैकड़ों चूड़ियों पर उकेर सकता है। क्योंकि ये HUID नंबर बीआईएस डेटाबेस में वैध होते हैं और वस्तुएँ भी चूड़ियों के रूप में ही दिखाई देती हैं, इसलिए ऐसे आभूषण बीआईएस केयर ऐप पर सामान्य जाँच में आसानी से पास हो सकते हैं।

इस प्रकार का दुरुपयोग कर चोरी और बेहिसाब आभूषण व्यापार को बढ़ावा देता है, जबकि जिम्मेदारी उन अस्सेइंग केंद्रों पर आ जाती है जिन्होंने मूल HUID जारी किए थे। जब बीआईएस की बाजार सैंपलिंग में किसी विशेष HUID वाले घटिया स्तर के आभूषण पाए जाते हैं, तो उस केंद्र को–जिसने वास्तविक आभूषण का हॉलमार्किंग किया था–मान्यता रद्द (डी-रिकॉग्निशन) का सामना करना पड़ सकता है, भले ही उसने नकली प्रतियों को कभी संभाला ही न हो। डुप्लीकेशन की घटनाएँ बढ़ने के साथ, हितधारकों ने अधिक सख्त ट्रेसबिलिटी और अधिक बुद्धिमान नियंत्रण तंत्र की मांग की है।

HUID ट्रांसफरः बिक्री बिंदु तक आभूषणों की ट्रैकिंग

एक व्यावहारिक समाधान यह है कि प्रत्येक HUID-टैग किए गए आभूषण को उसकी अंतिम खुदरा बिक्री तक ट्रैक किया जाए और उसके बाद उस HUID को प्रणाली में "क्लोज़" कर दिया जाए। एक बार जब कोई आभूषण बिक जाता है और उसका HUID बीआईएस पोर्टल पर बंद के रूप में चिह्नित हो जाता है, तो उसी नंबर को किसी अन्य आभूषण पर सत्यापित करने का कोई भी प्रयास तुरंत संदेह उत्पन्न करेगा।

इसे सक्षम बनाने के लिए, बीआईएस स्वैच्छिक आधार पर HUID ट्रांसफर सुविधा शुरू कर रहा है। पहले चरण में उन कॉर्पोरेट ज्वैलर्स पर ध्यान केंद्रित किया गया है जिनका मुख्यालय एक ही बीआईएस पंजीकरण के तहत है और जिनके कम से कम पाँच आउटलेट हैं, साथ ही अन्य इच्छुक खुदरा विक्रेताओं को भी इसमें शामिल किया गया है। इस मॉडल के तहत, प्रारंभ में HUID का स्वामित्व कॉर्पोरेट कार्यालय के पास रहता है। जैसे-जैसे आभूषण शाखाओं में भेजे जाते हैं, संबंधित HUID डिजिटल रूप से ट्रांसफर कर दिए जाते हैं, और जब कोई शाखा किसी ग्राहक को आभूषण बेचती है, तो वह उस HUID को बीआईएस केयर ऐप में "क्लोज़" के रूप में चिह्नित कर देती है, जिससे आगे किसी भी ट्रांसफर को रोका जा सके। यदि बाद में उसी HUID वाला कोई डुप्लीकेट आभूषण जाँचा जाता है, तो उसका विवरण दिखाई नहीं देगा, जिससे नकली हॉलमार्किंग का खुलासा करने में मदद मिलेगी।

फोटो अपलोडः सुरक्षा की एक दृश्य परत जोड़ना

दूसरा सुरक्षा उपाय प्रत्येक हॉलमार्क किए गए आभूषण के लिए प्रस्तावित फोटो अपलोड है। लगभग 25 केंद्रों में चल रहे एक पायलट कार्यक्रम के तहत, हर हॉलमार्क किए गए आभूषण की तस्वीर ली जाती है, जिसमें हॉलमार्किंग क्षेत्र का क्लोज़-अप भी शामिल होता है। ये चित्र–आभूषण के वजन और HUID से जुड़े हुए–बीआईएस केयर ऐप पर दिखाई देते हैं। यह दृश्य रिकॉर्ड केंद्र स्तर पर डेटा में हेरफेर करना या किसी वैध HUID को किसी अलग डिज़ाइन या अलग वजन के आभूषण पर दोबारा इस्तेमाल करना कहीं अधिक कठिन बना देता है।

हालाँकि, फोटो कैप्चर के लिए अतिरिक्त उपकरण, प्रशिक्षित स्टाफ और अधिक प्रोसेसिंग समय की आवश्यकता होती है, जिससे अक्सर किसी बैच के लिए हॉलमार्किंग समय लगभग 50% तक बढ़ जाता है और लागत भी बढ़ती है। 2021 से हॉलमार्किंग शुल्क ₹45 प्रति आभूषण पर स्थिर है, जबकि उच्च मूल्य वाले सोने के माहौल में लॉजिस्टिक्स, बीमा और सुरक्षा खर्च बढ़ गए हैं। ऐसे में, कठोर मानकों को बनाए रखते हुए केंद्रों की व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए शुल्क की समय-समय पर समीक्षा की आवश्यकता हो सकती है।

आगे का रास्ता

HUID हॉलमार्किंग ढाँचे ने भारत को साधारण शुद्धता मुहरों से एक परिष्कृत, डेटा-आधारित ट्रेसबिलिटी व्यवस्था तक पहुँचा दिया है। अगला चरण मात्रा विस्तार से कम और अखंडता को गहराई देने से अधिक जुड़ा है–HUID ट्रांसफर को व्यापक रूप से अपनाना, फोटो-आधारित सत्यापन का विस्तार करना, और विभिन्न क्षेत्रों में हॉलमार्किंग केंद्रों को पुनर्जीवित करना। यदि इन सुधारों को न्यायसंगत लागत संरचनाओं और मजबूत डिजिटल अवसंरचना के साथ सोच-समझकर लागू किया जाए, तो ये भारत को आभूषण ट्रेसबिलिटी में एक वैश्विक मानक बना सकते हैं और हॉलमार्किंग को मात्र अनुपालन दायित्व के बजाय गुणवत्ता और उपभोक्ता विश्वास के प्रति एक साझा प्रतिबद्धता के रूप में स्थापित कर सकते हैं।

■■■

समुद्री क्षेत्र में स्वर्ण कंसंट्रेट्स के अवैध प्रवाह

(ओईसीडी रिपोर्ट, दिसंबर 2025 पर आधारित सारांश)

नीतिनिर्माता क्या कर सकते हैं?
कच्चे अयस्क और कंसंट्रेट के व्यापार के माध्यम से होने वाले अवैध वित्तीय प्रवाह धन को आपराधिक तत्वों की ओर मोड़ देते हैं और उत्पादक देशों को महत्वपूर्ण कर राजस्व से वंचित करते हैं। सरकारें इन कमजोरियों को दूर करने और इस क्षेत्र पर निगरानी को मजबूत करने के लिए कई लक्षित रणनीतियों के माध्यम से कदम उठाने पर विचार कर सकती हैं:

कच्चे अयस्क और कंसंट्रेट की प्रकृति और उनके व्यापार के संबंध में सक्षम प्राधिकरणों के कर्मियों को प्रशिक्षित करें। इसमें सीमा शुल्क और अन्य कानून प्रवर्तन कर्मियों की क्षमता निर्माण शामिल है, ताकि वे अयस्क और कंसंट्रेट की पहचान कर सकें, आपूर्ति श्रृंखला के कार्यप्रणाली को समझ सकें, और इन वस्तुओं से संबंधित अपराध के स्वरूपों का पता लगा सकें। इसके लिए कंसंट्रेट से संबंधित समुद्री शिपिंग दस्तावेज़ों–जैसे बिल ऑफ लेडिंग, सीमा शुल्क घोषणाएँ और जहाज़ के मैनिफेस्ट–का विश्लेषण करने का प्रशिक्षण आवश्यक है।

सोने के अयस्क और कंसंट्रेट का निर्यात करने वाले बंदरगाह परिसरों पर स्पष्ट नियंत्रण स्थापित करें और सीमा शुल्क प्रवर्तन को सुदृढ़ करें। जहाँ ये बंदरगाह सुविधाएँ अंतरराष्ट्रीय कंपनियों–चाहे वे अन्य देशों के स्वामित्व वाली हों या निजी स्वामित्व वाली–के नियंत्रण में हों, वहाँ नियामकों और कानून प्रवर्तन एजेंसियों को पूर्ण डेटा प्रकटीकरण अनिवार्य किया जाए, तथा उनके संचालन और प्रेषित कार्गो तक बिना किसी प्रतिबंध के पहुँच सुनिश्चित की जाए। प्रमुख बंदरगाहों पर कच्चे अयस्क और कंसंट्रेट के लिए सीमा शुल्क सुविधाओं को कार्गो की परख (असेइंग) के साधनों से सुसज्जित करें। एक्स-रे फ्लोरेसेंस (XRF) गन, जिनका उपयोग सीमा शुल्क कर्मी अक्सर सोने की ईंटों, पुनर्चक्रित सोने या सोने के आभूषणों में सोने की मात्रा का त्वरित आकलन करने के लिए करते हैं, कच्चे अयस्क या कंसंट्रेट के लिए प्रभावी नहीं होतीं। प्रमुख बंदरगाह परिसरों में फायर असे (Fire Assay) क्षमता स्थापित करने से गलत घोषणा या गलत मूल्य निर्धारण वाले शिपमेंट्स का पता लगाया जा सकेगा।

अन्य खनिज कंसंट्रेट्स में सोने की मात्रा की जाँच के लिए व्यवस्थित या यादृच्छिक असे (परख) करें। चाँदी, ताँबा, मैंगनीज़ और जिंक जैसे खनिज कंसंट्रेट्स के कार्गो की जाँच न केवल उनमें मौजूद सोने की मात्रा के लिए, बल्कि उच्च मूल्य वाले उप-उत्पाद खनिजों की सामग्री के लिए भी करने से पहचान दरों में सुधार हो सकता है और धोखाधड़ी को हतोत्साहित करने में सहायता मिल सकती है।

सोने के कंसंट्रेट के प्रवाह से संबंधित डेटा में सुधार करने, गलत प्रस्तुति की गुंजाइश को कम करने और उन कंसंट्रेट के प्रकारों को अलग कर लक्षित करने के लिए, जिनमें धोखाधड़ी सबसे अधिक प्रचलित है, राष्ट्रीय व्यापार नामकरण को सुदृढ़ करें। यह कार्य HS कोड 261690 के अंतर्गत आठ-अंकीय स्तर पर नए राष्ट्रीय उप-विभाग स्थापित करके, संगति बनाए रखने से संबंधित WCO दिशानिर्देशों के अनुरूप किया जा सकता है।

उप-उत्पाद खनिजों के मूल्य को दर्शाने के लिए सीमा शुल्क शुल्क सुनिश्चित करने हेतु कदम उठाएँ। चूँकि उच्च-मूल्य खनिज, जिनमें महत्वपूर्ण खनिज और दुर्लभ पृथ्वी तत्व शामिल हैं, सोने के अयस्क और कंसंट्रेट (साथ ही अन्य अयस्कों और कंसंट्रेट्स) में पाए जा सकते हैं, इसलिए सीमा शुल्क प्राधिकरण किसी शिपमेंट में खनिज सामग्री की पूर्ण घोषणा अनिवार्य कर सकते हैं, तथा प्रत्येक उच्च-मूल्य खनिज के लिए अलग-अलग शुल्क निर्धारित कर सकते हैं।

प्रारंभिक प्रसंस्करण संयंत्रों, व्यापारियों तथा स्मेल्टरों की ट्रेसबिलिटी और ड्यू डिलिजेंस प्रथाओं के लिए अधिक कठोर लाइसेंसिंग और निगरानी व्यवस्था स्थापित करें और उसे लागू करें। इसमें सख्त लाइसेंसिंग ढाँचे शामिल हों, जिनमें कठोर निगरानी और रिपोर्टिंग की व्यवस्था हो–जिसमें OECD मार्गदर्शन की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रावधान भी शामिल हों–विशेष रूप से उन प्रारंभिक प्रसंस्करण संयंत्रों और व्यापारियों के लिए, जो कच्चे अयस्क को खरीदते और मिश्रित करते हैं या उसे कंसंट्रेट में प्रसंस्कृत करते हैं। इसी प्रकार की लाइसेंसिंग और निगरानी व्यवस्थाएँ उन स्मेल्टरों पर भी लागू की जानी चाहिए, जो कंसंट्रेट प्राप्त करते हैं।

उत्पत्ति, पारगमन और गंतव्य देशों की कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच सहयोग, जिसमें सूचना साझा करना भी शामिल हो, को सुगम बनाएं। अयस्कों और कंसंट्रेट के अवैध प्रवाह अनिवार्य रूप से एक अंतरराष्ट्रीय समस्या हैं, और इन्हें अंतरराष्ट्रीय सहयोग और समन्वय के माध्यम से ही संबोधित किया जाना चाहिए–जिसमें संयुक्त सीमा शुल्क संचालन जैसे उपलब्ध तंत्रों का उपयोग करना तथा संचार और सहयोग के नए माध्यम स्थापित करना शामिल है।

निजी क्षेत्र क्या कर सकता है?

सोने के कंसंट्रेट की आपूर्ति श्रृंखलाओं में मौजूद निरंतर अंधे बिंदुओं और संभावित कमजोरियों को देखते हुए, कंपनियों को ऐसे पदार्थों की उपस्थिति को एक उच्च-जोखिम संकेतक के रूप में मानना चाहिए। जहाँ किसी कंपनी की आपूर्ति श्रृंखला में सोने के कंसंट्रेट की पहचान होती है, वहाँ उसे प्रतिकूल प्रभावों से जुड़े संभावित और वास्तविक जोखिमों की पहचान करने, उन्हें संबोधित करने और उनका लेखा-जोखा रखने के लिए उचित परिश्रम (ड्यू डिलिजेंस) उपायों को प्राथमिकता देने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

सोने और तांबे की आपूर्ति श्रृंखलाओं से जुड़े सभी संस्थानों को, विशेष रूप से प्रसंस्करण संयंत्रों, व्यापारियों, स्मेल्टरों और उनके ग्राहकों को, OECD मार्गदर्शन के अनुरूप उचित परिश्रम (ड्यू डिलिजेंस) करना चाहिए। अपने ड्यू डिलिजेंस प्रक्रिया के हिस्से के रूप में, उन्हें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी प्रबंधन प्रणालियाँ सोने के कंसंट्रेट से जुड़े प्रतिकूल प्रभावों के वास्तविक और संभावित जोखिमों की पहचान करने में सक्षम हों, लगातार निगरानी करें, जहाँ आवश्यक हो वहाँ जोखिम शमन उपाय लागू करें, और सार्वजनिक रूप से रिपोर्ट करें – विशेष रूप से जोखिम पहचान और शमन से संबंधित जानकारी पर।

विशेष रूप से, कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में नियंत्रण और पारदर्शिता की प्रणालियाँ, जिसमें जहाँ प्रासंगिक हो वहाँ ट्रेसबिलिटी प्रणालियाँ भी शामिल हैं, सोने के कंसंट्रेट से संबंधित विसंगतियों, कमजोरियों और ऐसे संकेतकों का पता लगाने में सक्षम हों, जिनके लिए उन्नत ड्यू डिलिजेंस की आवश्यकता होती है। जहाँ उपयुक्त हो, कंपनियों को खदानों, बेनिफिशिएशन संयंत्रों, निर्यातकों, स्मेल्टरों और रिफाइनरों की ड्यू डिलिजेंस प्रणालियों का मैदान स्तर पर आकलन, व्यवहार्यता जाँच (प्लॉज़िबिलिटी चेक) और नियंत्रण करना चाहिए। ड्यू डिलिजेंस ऑडिट योजनाओं जैसी सत्यापन पहल को अपनी आश्वासन प्रक्रियाओं के दायरे की समीक्षा करनी चाहिए और जहाँ आवश्यक हो, उसे अद्यतन करना चाहिए, ताकि कंसंट्रेट से जुड़ी कमजोरियों को समाहित किया जा सके। इसमें सोने और तांबे दोनों की आपूर्ति श्रृंखलाओं से संबंधित पहल शामिल हैं।

शिपिंग उद्योग को अयस्क और कंसंट्रेट की खेपों की निगरानी में योगदान देना चाहिए। प्रमुख व्यापार संघों – जिनमें BIMCO, INTERCARGO, ICS और WSC शामिल हैं – के माध्यम से, शिपर्स को आचार संहिता (कोड ऑफ कंडक्ट) की संभावना पर विचार करना चाहिए, ताकि वाणिज्यिक जहाज़ों के माध्यम से अवैध सोने और अन्य कीमती धातुओं के परिवहन की पहचान करने और उसे रोकने में सहायता मिल सके।

कंपनियों को, जो तांबे और अन्य बेस मेटल कंसंट्रेट्स जिनमें सोना शामिल है, स्रोत कर रही हैं, उन्हें प्रोत्साहित किया जाता है कि वे OECD ट्रांसफर प्राइसिंग गाइडलाइंस फॉर मल्टीनेशनल एंटरप्राइजेज एंड टैक्स एडमिनिस्ट्रेशन्स (OECD, 2022[22]) का संदर्भ लें, ताकि खनिज बिक्री के लिए मूल्य सटीक रूप से निर्धारित किया जा सके। इसके अतिरिक्त, देय धातु दरों और थ्रेशोल्ड्स पर और मार्गदर्शन OECD/IGF ट्रांसफर प्राइसिंग फ्रेमवर्क फॉर कॉपर टूलकिट (OECD/IGF, Forthcoming[23]) में दिया गया है।

Note: For more details scan the QR code or Bullion World website for the complete document

जमानत के रूप में चांदी: संभावनाएँ, चुनौतियाँ और आगे का रास्ता

इवेंटेल नॉलेज सीरीज़ #62 में, जिसे बुलियन वर्ल्ड द्वारा आयोजित किया गया, उद्योग के नेताओं ने एक महत्वपूर्ण विकास का विश्लेषण किया जो भारत के कीमती धातु परिदृश्य में हुआ–RBI के निर्णय को चाँदी को योग्य बंधक (eligible collateral) के रूप में मान्यता देने के संदर्भ में। जैसे-जैसे चाँदी वित्तीय संपत्ति के रूप में सोने के करीब आती है, इस वेबिनार में इसके विशाल संभावनाओं और जटिल वास्तविकताओं दोनों का अन्वेषण किया गया। श्री श्रीवत्सव के द्वारा मॉडरेट किए गए इस चर्चा सत्र में श्री केयूर शाह, श्री राजेश भान, श्री अनिल कंसारा और अन्य उद्योग विशेषज्ञों के विचार शामिल थे, जिन्होंने विनियमन, प्रौद्योगिकी, जोखिम और उस सहयोगी मार्ग पर संतुलित, व्यवहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया, जो चाँदी-समर्थित उधार को व्यावहारिक और जिम्मेदार बनाने के लिए आवश्यक है।

चाँदी को बंधक के रूप में: वादा, चुनौतियाँ, और आगे का मार्ग

भारतीय रिज़र्व बैंक के "सोना और चाँदी बंधक के खिलाफ उधारी दिशानिर्देश, 2025", जो जून 2025 में जारी किए गए और 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होंगे, भारत के कीमती धातु पारिस्थितिकी तंत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव को दर्शाते हैं। पहली बार, चाँदी को औपचारिक रूप से योग्य बंधक के रूप में मान्यता दी गई है, जिससे यह वित्तीय संपत्ति के रूप में सोने के करीब आ गई है।

भारत के पास अनुमानित 75,000–80,000 टन घरेलू चाँदी होने का अनुमान है, जिसका अधिकांश हिस्सा निष्क्रिय पड़ा है। यदि इस भंडार का केवल एक छोटा हिस्सा भी औपचारिक वित्तीय प्रणाली में प्रवेश करता है, तो यह तरलता में सुधार कर सकता है, घरेलू ऋण का समर्थन कर सकता है, और आर्थिक उत्पादकता को बढ़ा सकता है।

हालाँकि, जैसा कि बुलियन वर्ल्ड के एक विस्तृत वेबिनार के दौरान उजागर किया गया, केवल नियामक अनुमति ही सुचारू निष्पादन की गारंटी नहीं देती। चाँदी उधारी संरचनात्मक, तकनीकी, और व्यवहारिक चुनौतियाँ प्रस्तुत करती है, जो मूल रूप से सोने से भिन्न हैं।

श्री श्रीवत्सव द्वारा मॉडरेट की गई इस चर्चा में श्री केयूर शाह, श्री राजेश भान, और श्री अनिल कंसारा को एक साथ लाया गया, जिन्होंने उद्योग-व्यापी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

RBI ढाँचे की समझ

RBI के दिशानिर्देश स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट करते हैं कि केवल चाँदी के आभूषण, गहने और सिक्के ही बंधक के रूप में योग्य हैं। प्राथमिक चाँदी की सलाखें, बुलियन, ETFs और अन्य वित्तीय उपकरण स्पष्ट रूप से शामिल नहीं हैं। ऋण तभी दिया जा सकता है जब बंधक की भौतिक सुरक्षा ऋणदाता की अपनी शाखा में हो, जिसे केवल उसके कर्मचारी संभालें, और यह अस्सेइंग, मूल्यांकन, भंडारण, और नीलामी प्रक्रियाओं को कवर करने वाले स्पष्ट SOPs द्वारा समर्थित हो।

महत्वपूर्ण रूप से, मूल्यांकन वास्तविक शुद्धता पर आधारित होना चाहिए, जिसमें IBJA या MCX जैसी संदर्भ कीमतों का उपयोग किया जाए और इसे फिनेस के अनुसार समायोजित किया जाए। RBI ऋणदाताओं को यह जिम्मेदारी भी सौंपता है कि वे भंडारण के दौरान गिरावट, विसंगति और शुद्धता के जोखिम का प्रबंधन करें, जो क्षेत्र चाँदी के लिए सोने से बहुत भिन्न व्यवहार करता है।

एक दूरदर्शी कदम, साथ में व्यावहारिक प्रश्न

श्री श्रीवत्सव ने RBI के निर्णय को दूरदर्शी के रूप में संदर्भित किया, लेकिन यह ज़ोर दिया कि चाँदी को केवल “एक अन्य रंग का सोना” नहीं माना जा सकता। सोने की उधारी को दशकों के मानकीकरण, व्यापक हॉलमार्किंग, अनुमानित शुद्धता सीमाओं, और कुछ बुनियादी लवणों के साथ ब्लैक स्टोन का उपयोग करके शाखा-स्तरीय त्वरित परीक्षण से लाभ होता है। इसके विपरीत, चाँदी एक खंडित और असंगत पारिस्थितिकी तंत्र में काम करती है। अभी तक चाँदी की सामग्री का परीक्षण करने का कोई उद्योग-स्वीकृत सरल तरीका उपलब्ध नहीं है।

इसलिए चर्चा इस बात पर केंद्रित थी कि चाँदी को बंधक के रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए या नहीं, बल्कि यह कि इसे जिम्मेदारी से कैसे लागू किया जा सकता है, बिना उपभोक्ता विश्वास या ऋणदाता की बैलेंस शीट को नुकसान पहुँचाए।

The same,
yet so different.

Valcambi Regular Gold Valcambi Green Gold Valcambi Artisanal Gold Valcambi Recycled Gold

valcambi
suisse

ऋणदाता की जमीनी हकीकतः गति, लागत और व्यावहारिकता

श्री केयूर शाह, सीईओ, प्रेशियस मेटल्स बिज़नेस, मुथूट पप्पाचन ग्रुप

चांदी पर बड़े पैमाने पर ऋण देने के लिए, जमीनी स्तर पर शुद्धता का आकलन व्यावहारिक, तेज़ और लागत प्रभावी होना चाहिए। आज यही सबसे बड़ी चुनौती है।"

श्री केयूर शाह ने स्वर्ण-ऋण के दशकों के अनुभव पर आधारित एक व्यावहारिक दृष्टिकोण प्रस्तुत किया। उन्होंने समझाया कि भारत का स्वर्ण-ऋण तंत्र कैसे काम करता है, क्योंकि यह गति, सरलता और सुरक्षा मार्जिन पर आधारित है।

स्वर्ण ऋण मेंः

- औसत ऋण राशि छोटी होती है
- शुद्धता का आकलन टचस्टोन और एसिड परीक्षणों का उपयोग करके जल्दी किया जाता है
- आरबीआई द्वारा निर्धारित 25% तक के एलटीवी बफर छोटी त्रुटियों को समाहित कर लेते हैं
- शाखा स्तर पर प्रक्रिया पूरी होने में अक्सर 15–20 मिनट लगते हैं
- उन्होंने तर्क दिया कि चांदी इस मॉडल को हर चरण पर बाधित करती है।

उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि भारत में अधिकांश चांदी के आभूषण उच्च शुद्धता के नहीं होते, अक्सर 60–70% की श्रेणी में होते हैं और कभी-कभी इससे भी कम। पारंपरिक स्वर्ण-परीक्षण विधियाँ चांदी के लिए काम नहीं करतीं, और हजारों शाखाओं में XRF मशीनें तैनात करना न तो व्यावहारिक है और न ही तुरंत लागत-प्रभावी।

श्री केयूर शाह

उन्होंने निम्नलिखित चिंताएँ भी उठाईंः

- चांदी की वस्तुओं की मोटाई, जो सतही परीक्षण को सीमित करती है
- असंगत निर्माण, विशेषकर मूर्तियों और बर्तनों में
- उपभोक्ताओं में चांदी की शुद्धता के संबंध में अपरिचितता

उनके दृष्टिकोण से, भंडारण, नीलामी और लॉजिस्टिक्स प्रबंधनीय हैं। वास्तविक जोखिम ऋण वितरण के समय मूल्यांकन पर विश्वास में निहित है। जब तक यह समस्या हल नहीं होती, नियामकीय अनुमति के बावजूद ऋणदाता सावधानी से आगे बढ़ेंगे।

प्रौद्योगिकी एक सक्षमकर्ता के रूप में–सीमाओं के साथ

श्री राकेश भान, प्रबंध निदेशक–फिशर मेज़रमेंट टेक्नोलॉजीज़ इंडिया प्राइवेट लिमिटेड

श्री राकेश भान ने इस विषय को प्रौद्योगिकी और उपकरणों के दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया, जो हॉलमार्किंग, विनिर्माण और बहुमूल्य धातुओं के मूल्यांकन में उपयोग किए जाने वाले परीक्षण प्रणालियों के व्यापक अनुभव पर आधारित था।

उन्होंने समझाया कि उच्च स्वर्ण मूल्यों और जोखिम संवेदनशीलता के कारण स्वर्ण ऋण पहले से ही डिजिटल, ट्रेस करने योग्य परीक्षण की ओर बढ़ रहा है, विशेष रूप से XRF तकनीक के माध्यम से। XRF प्रमुख लाभ प्रदान करता हैः

- गैर-विनाशकारी परीक्षण
- दिनांक और समय की मुहर के साथ डिजिटल अभिलेख

श्री राकेश भान

- अनुरेखणीयता और ऑडिट योग्य होना

चांदी के लिए, उन्होंने स्पष्ट किया कि XRF एक उपयोगी उपकरण बना रहता है, लेकिन इसे सही तरीके से उपयोग करना आवश्यक है। चांदी की वस्तुएँ अक्सरः

- बड़ी और भारी होती हैं
- असमान संरचना वाली होती हैं
- विभिन्न शुद्धता वाले कई घटकों से बनी होती हैं

चूँकि XRF एक बिंदु-आधारित मापन तकनीक है, इसलिए एक ही रीडिंग पर्याप्त नहीं होती। हालांकि, क्योंकि ऋण देने के लिए प्रयोगशाला-स्तरीय सटीकता आवश्यक नहीं होती, इसलिए कई XRF रीडिंग को अन्य उपकरणों के साथ मिलाकर जोखिम का प्रभावी ढंग से प्रबंधन किया जा सकता है।

उन्होंने पूरक विधियों पर चर्चा की, जैसेः

- मिश्रधातु में आधार धातुओं का पता लगाने के लिए विद्युत चालकता परीक्षण
- अंदरूनी असामान्यताओं की पहचान करने के लिए अल्ट्रासोनिक परीक्षण, जिसमें खोखलेपन का पता लगाना शामिल है
- स्पष्ट असंगतियों के लिए घनत्व-आधारित जांच

"चांदी के ऋण में पूर्ण धातुकर्मीय सटीकता लक्ष्य नहीं है। परतदार, गैर-विनाशकारी प्रौद्योगिकियों और विवेकपूर्ण एलटीवी के साथ, जोखिम का प्रभावी रूप से प्रबंधन किया जा सकता है।"

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि हैंडहेल्ड XRF उपकरण–जो पहले अस्थिर थे–में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और अब वे अधिक विश्वसनीय हैं, विशेषकर बड़ी वस्तुओं के लिए जो टेबलटॉप मशीनों में फिट नहीं हो सकतीं।

वास्तविकता का शोधनः
क्यों चांदी मूल रूप से भिन्न है

श्री अनिल कंसारा, सीईओ–ऑरो मेटल रिफाइनरी प्राइवेट लिमिटेड

श्री अनिल कंसारा ने दशकों के शोधन और मूल्यांकन अनुभव पर आधारित सबसे तकनीकी रूप से विस्तृत और सावधानियों से भरा दृष्टिकोण प्रस्तुत किया।

उन्होंने एक सख्त वास्तविकता को उजागर कियाः भारत की अधिकांश पुरानी चांदी में विदेशी तत्व पाए जाते हैं–लोहा की तारें, तांबे की छड़ें, सीसा सोल्डर, कैडमियम और निकल–जो अक्सर आभूषणों, मूर्तियों और बर्तनों के अंदर छिपे होते हैं। ये तत्व वजन बढ़ाते हैं लेकिन शुद्धता को विकृत कर देते हैं।

उन्होंने वास्तविक शोधन उदाहरण साझा किए, जहाँः

- चांदी के सिक्कों की शुद्धता केवल 8% तक पाई गई
- बड़े पिघलाव में काफी मात्रा में गैर-चांदी अवशेष प्राप्त हुए
- दृश्य निरीक्षण और सतही परीक्षण आंतरिक भरे हुए पदार्थों का पता नहीं लगा सके

उन्होंने जोर देकर कहा कि कोई भी गैर-विनाशकारी परीक्षण आंतरिक संरचना को पूरी तरह नहीं बता सकता। वास्तविक शुद्धता केवल पिघलाने के बाद ही ज्ञात होती है–जो ऋण देने में संभव नहीं है।

उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि चांदी का हॉलमार्किंग अब भी स्वैच्छिक है और संचालन में कठिन है, विशेषकर भारी या जटिल वस्तुओं के लिए। बड़े चांदी के आइटमों के भंडारण, हैंडलिंग और परीक्षण में हॉलमार्किंग केंद्र भी कठिनाई का सामना करते हैं।

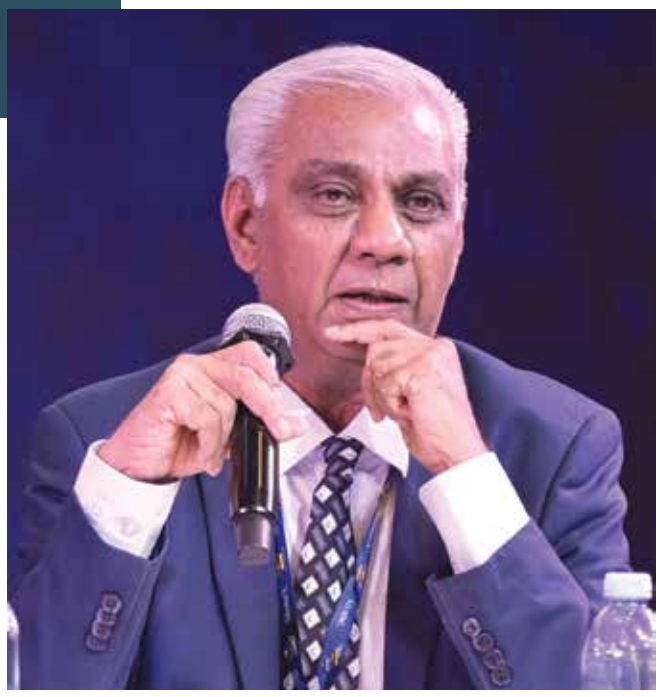

Mr Anil Kansara

"चांदी मूल रूप से असमान है। पिघलाए बिना आप पूरी सच्चाई कभी नहीं जान पाएंगे–और यही कारण है कि चांदी का ऋण धीरे-धीरे और चुनिंदा रूप से शुरू होना चाहिए।"

उनकी सिफारिश स्पष्ट थीः

- सरल, उच्च शुद्धता वाली वस्तुओं से शुरुआत करें
- एक ही उपकरण पर नहीं, बल्कि कई परीक्षण विधियों का उपयोग करें
- सतर्क मूल्यांकन मानकों को लागू करें
- प्रशिक्षित मानव निर्णय पर भरोसा करें

श्री सुरेंद्र मेहता

श्री सुरेंद्र मेहता,
राष्ट्रीय सचिव, IBJA

उद्योग की जिम्मेदारी और आगे का मार्ग
श्री सुरेंद्र मेहता ने चर्चा को उद्योग और नीति के दृष्टिकोण से प्रस्तुत किया। उन्होंने आरबीआई की पहल को दूरदर्शी बताया, यह उल्लेख करते हुए कि चांदी की कीमतों का प्रदर्शन बाद में नियामक की दूरदर्शिता को प्रमाणित करता है।

उन्होंने बाधाओं पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय उद्योग से सक्रिय सहयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि रोकथामात्मक उपाय नहीं अपनाए गए, तो शुद्धता संबंधी विवाद ऋणदाता और उधारकर्ता के बीच विश्वास को कमजोर कर सकते हैं। उन्होंने चांदी की शुद्धता के संबंध में उपभोक्ता जागरूकता की कमी पर जोर दिया और चालानों पर अनिवार्य शुद्धता खुलासा करने का सुझाव दिया, जो तुरंत और व्यावहारिक सुरक्षा उपाय हो सकता है– विशेष रूप से जब हॉलमार्किंग इंफ्रास्ट्रक्चर अभी भी सीमित है।

"आरबीआई को यह बताने के बजाय कि चुनौतियाँ हैं, उद्योग को एक साथ आकर समाधान खोजने चाहिए ताकि उपभोक्ता को नुकसान न हो।" उनके दृष्टिकोण में, चांदी का एक संपत्ति वर्ग में परिवर्तन अपरिहार्य है। सवाल यह है कि क्या उद्योग उस परिवर्तन को जिम्मेदारी से आकार देगा।

श्री जेम्स जोस,
अध्यक्ष–हॉलमार्किंग फेडरेशन ऑफ इंडिया

मानक संचालन प्रक्रियाएँ (SOP) और जवाबदेही
श्री जेम्स जोस ने आरबीआई के चांदी-ऋण ढांचे के तहत स्पष्ट और व्यावहारिक SOPs की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि ऋणदाताओं को परीक्षण और मूल्यांकन विधियों को कैसे परिभाषित करना चाहिए, और यदि विवाद उत्पन्न होता है तो जिम्मेदारी किसकी होगी। उन्होंने चेतावनी दी कि सरल, ऑडिट योग्य SOPs के बिना, शाखा स्तर पर कार्यान्वयन असंगत हो सकता है, जिससे संचालन जोखिम बढ़ सकता है और चांदी-समर्थित ऋणों में उधारकर्ता का विश्वास कमजोर हो सकता है।

चर्चा से उभरकर आई कुछ सिफारिशें

1. स्वर्ण के विपरीत, चांदी का बड़ा हिस्सा चांदी के बुलियन के रूप में रखा जाता है। देश में चांदी का आभूषण के रूप में प्रचलन कम है। चांदी के आभूषण और सजावटी वस्तुओं की असमानता जैसी चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए, अधिक मानकीकृत चांदी के सिक्कों के खिलाफ ऋण देना शुरू करना बेहतर होगा।
2. आरबीआई से अनुरोध किया जा सकता है कि वह "प्राथमिक चांदी" (चांदी की सलाखें) की अनुमति देने पर विचार करे।

श्री जेम्स जोस

3. उद्योग निकायों को एक साथ मिलकर चांदी के आभूषण और सजावटी वस्तुओं में चांदी के मिश्रधातु की शुद्धता मापने के लिए एक SOP विकसित करनी चाहिए। इसे बाद में नियामक के साथ साझा किया जा सकता है ताकि इसे अपनाया जा सके।

■■■

चांदी, अगली पीढ़ी की धातुः सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और एआई कैसे औद्योगिक मांग को पुनर्परिभाषित कर रहे हैं

चांदी एक महत्वपूर्ण "अगली पीढ़ी की धातु" के रूप में उभर रही है, जो हरित ऊर्जा संक्रमण और तेजी से बढ़ती डिजिटल अर्थव्यवस्था के संगम पर स्थित है, जैसा कि दिसंबर 2025 की रिपोर्ट "Silver, The Next Generation Metal" में ऑक्सफोर्ड इकॉनॉमिक्स द्वारा द सिल्वर इंस्टिट्यूट के लिए प्रस्तुत किया गया है। यह अध्ययन यह बताता है कि चांदी की अद्वितीय विशेषताएँ–उच्चतम श्रेणी की विद्युत चालकता, मजबूत तापीय चालकता और संक्षारण प्रतिरोध–इस धातु को तीन विकासशील उद्योगों में और गहराई से स्थापित कर रही हैंः सौर फोटोवोल्टैक्स, ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक वाहन, और डेटा सेंटर्स/एआई।

सौर ऊर्जा के क्षेत्र में, रिपोर्ट में उल्लेख किया गया है कि पिछले दशक में स्थापित फोटोवोल्टाइक (PV) क्षमता दस गुना से अधिक बढ़ी है, जिसमें इस वृद्धि का सिर्फ आधा हिस्सा चीन का है, जबकि PV से चांदी की मांग इसी अवधि में तीन गुना बढ़ी है। हालांकि तकनीकी "थ्रिफ्टिंग" ने प्रति सेल चांदी के उपयोग को कम किया है, अगले पीढ़ी के सेल आर्किटेक्चर जैसे TOPCon और SHJ आज के PERC सेल की तुलना में अधिक चांदी-सघन हैं। 2030 तक, IEA के अनुसार, सौर ऊर्जा वैश्विक स्तर पर प्रमुख नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत बनने की संभावना है, जिसमें जोड़ी गई क्षमता में लगभग 17% का CAGR होगा, जो मजबूत चांदी की मांग को समर्थन देता है। यूरोपीय संघ और भारत जैसे क्षेत्रों में नीति समर्थन, और सौर विद्युत की स्तरित लागत में गिरावट, अमेरिका और यूरोपीय संघ के व्यापार कार्य और सब्सिडी कटौती से उत्पन्न कुछ प्रतिकूल प्रभावों की भरपाई करते हैं।

परिवहन में, रिपोर्ट में चांदी की बढ़ती भूमिका पर प्रकाश डाला गया है क्योंकि वाहन इलेक्ट्रिफ़ाई हो रहे हैं और इलेक्ट्रॉनिक्स में अधिक समृद्ध हो रहे हैं। बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों (BEVs) में प्रति यूनिट अनुमानित रूप से 67–79% अधिक चांदी का उपयोग होता है, जो पावर इलेक्ट्रॉनिक्स, बैटरी प्रबंधन और सेंसर सिस्टम के भारी भार को दर्शाता है। वैश्विक EV उत्पादन 2025 और 2031 के बीच 13% CAGR की दर से बढ़ने का अनुमान है। ऑक्सफोर्ड इकॉनॉमिक्स का पूर्वानुमान है कि 2025–2031 के बीच ऑटोमोटिव चांदी की मांग 3.4% CAGR से बढ़कर लगभग 94 मिलियन औंस हो जाएगी, जिसमें 2027 तक EVs आंतरिक दहन इंजन (ICE) वाहनों को मुख्य ऑटोमोटिव चांदी उपभोक्ता के रूप में पीछे छोड़ देंगे और 2031 तक ऑटोमोटिव चांदी के उपयोग का 59% हिस्सा EVs द्वारा उपयोग किए गए चांदी और EV चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर में प्रयुक्त चांदी से पूरा होगा।

तीसरा स्तंभ डेटा सेंटर्स और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस है, जहाँ चांदी कनेक्टर्स, सेमीकंडक्टर्स, कूलिंग सॉल्यूशंस और उच्च विश्वसनीयता वाले संपर्कों में समाहित होती है। 2000 के बाद से वैश्विक डेटा सेंटर स्टॉक लगभग ग्यारह गुना बढ़ गया है, लेकिन कुल आईटी पावर क्षमता 2025 तक लगभग 53 गुना बढ़कर लगभग 50 GW हो गई है, जो चांदी युक्त इलेक्ट्रॉनिक्स से भरे बड़े और कम सुविधाओं की ओर बदलाव को दर्शाता है। वर्तमान में उत्तरी अमेरिका, पश्चिमी यूरोप और पूर्व/दक्षिण-पूर्व एशिया में कुल आईटी पावर का 88% हिस्सा है, और रिपोर्ट के अनुसार भविष्य की क्षमता–और इसलिए चांदी की मांग–सबसे तेज़ी से उन कम सेवा वाले क्षेत्रों में बढ़ेगी, जहाँ AI, क्लाउड सेवाएँ और लेटेंसी-संवेदनशील एप्लिकेशन का विस्तार हो रहा है, और इसे अमेरिका, यूरोपीय संघ, यूके, चीन और अन्य देशों की सक्रिय सरकारी नीतियों द्वारा डेटा सेंटर्स को रणनीतिक अवसंरचना के रूप में वर्गीकृत करने से समर्थन प्राप्त है।

कुल मिलाकर, रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि जबकि थ्रिफ्टिंग, प्रतिस्थापन और रीसायक्लिंग उपयोग की तीव्रता को प्रभावित करेंगे, सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक वाहन और डिजिटल अवसंरचना में संरचनात्मक वृद्धि आने वाले दशक में चांदी की भूमिका को एक मौलिक औद्योगिक धातु के रूप में मजबूत करती है।

स्रोतः "Silver, The Next Generation Metal", ऑक्सफोर्ड इकॉनॉमिक्स द्वारा द सिल्वर इंस्टिट्यूट के लिए, दिसंबर 2025।

रिपोर्ट को पूर्ण रूप से पढ़ने के लिए कृपया सीधे मूल प्रकाशन का संदर्भ लें।

■■■

मॉर्गन एडवांस्ड मैटेरियल्स – WESGO® मेटल्स और सिल्वर ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं का विज्ञान

Morgan Advanced Materials

मॉर्गन एडवांस्ड मैटीरियल्स – WESGO® मेटल्स और चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं का विज्ञान

चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं की विशेष दुनिया में, प्रदर्शन को भेजे गए टन या बाजार हिस्सेदारी से नहीं मापा जाता। इसे मापते हैं धातुकर्मीय शुद्धता के माइक्रोन, वैक्यूम में वाष्प-दबाव स्थिरता, और उन जोड़ियों की दीर्घकालिक अखंडता के आधार पर, जो कभी विफल होने के लिए नहीं बनाई जातीं।

यही कठोर इंजीनियरिंग वातावरण है जहाँ मॉर्गन एडवांस्ड मैटीरियल्स ने अपने WESGO® मेटल्स व्यवसाय के माध्यम से उच्च शुद्धता वाली चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं में विश्व के सबसे विश्वसनीय नामों में अपनी पहचान बनाई है।

WESGO® मेटल्स मात्रा आपूर्तिकर्ता के रूप में प्रतिस्पर्धा नहीं करता। इसकी प्रतिष्ठा दशकों से वैक्यूम-ग्रेड धातुकर्म, इंजीनियर किए गए चांदी जोड़ प्रणालियों और अडिग विश्वसनीयता पर आधारित है–ये गुण उन उद्योगों में अनिवार्य हैं जहाँ जोड़ विफल होना अस्वीकार्य है और पुनःपरीक्षण लागत लाखों डॉलर तक पहुंच सकती है।जहाँ कई आपूर्तिकर्ता उत्पादन मात्रा पर प्रतिस्पर्धा करते हैं, WESGO निश्चितता पर प्रतिस्पर्धा करता है।

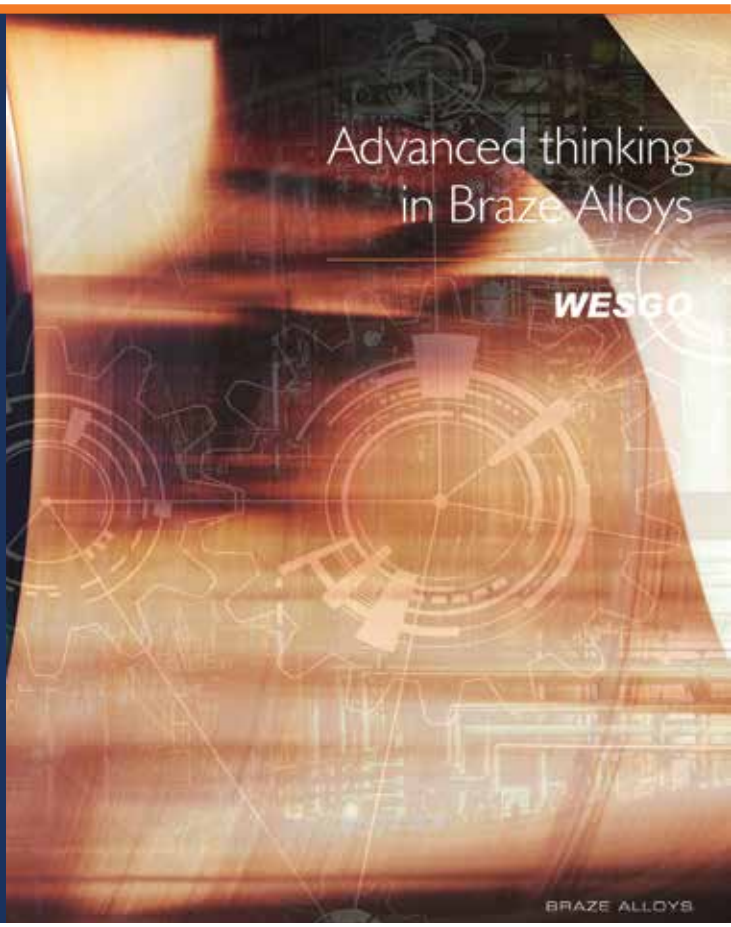

अदृश्य जोड़, कठोर मानक

WESGO® मेटल्स में चांदी ब्रेज़िंग को एक विज्ञान के रूप में लिया जाता है, किसी वस्तु के रूप में नहीं। प्रत्येक मिश्रधातु को एक जोड़ प्रणाली के महत्वपूर्ण घटक के रूप में डिज़ाइन, उत्पादन और आपूर्ति किया जाता है–जो अत्यधिक तापीय, यांत्रिक, विद्युत और वैक्यूम परिस्थितियों में लगातार प्रदर्शन करना चाहिए।

वैक्यूम-ग्रेड धातुकर्म इन वातावरणों में वैकल्पिक नहीं है; यह मूलभूत है। प्रत्येक चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातु को वैक्यूम में पिघलाकर, WESGO घुले हुए गैसों, उड़नशील संदूषकों और सूक्ष्म अशुद्धियों को काफी कम करता है। यह धातुकर्मीय अनुशासन उन अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक है, जिन्हें आवश्यकता होती है:

- हर्मेटिक सीलिंग
- वैक्यूम-अनुकूल असेंबलियाँ
- अति-निम्न आउटगैसिंग व्यवहार
- उच्च-वोल्टेज और माइक्रोवेव उपकरणों में दीर्घायु प्रदर्शन

केवल कुछ ही वैश्विक निर्माता लगातार इन आवश्यकताओं को पूरा कर सकते हैं। WESGO® मेटल्स इस विशिष्ट और श्रेष्ठ वर्ग के भीतर मजबूती से कार्य करता है।

वैश्विक निर्माण शक्ति, केंद्रित सटीकता

WESGO® मेटल्स का चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातु निर्माण हैयवर्ड, कैलिफ़ोर्निया (यूएसए) में केंद्रित है–एक ऐसा प्रतिष्ठान जो विशेष रूप से वैक्यूम पिघलाने, नियंत्रित मिश्रधातु निर्माण और उच्च-शुद्धता फॉर्मिंग संचालन के लिए बनाया गया है। पारंपरिक ब्रेज़िंग मिश्रधातु संयंत्रों के विपरीत, जो गति और पैमाने के लिए अनुकूलित होते हैं, इस प्रतिष्ठान को निम्नलिखित पर आधारित इंजीनियर किया गया है:

- प्रक्रिया नियंत्रण
- धातुकर्मीय स्वच्छता
- प्रत्येक बैच में पूर्ण निरंतरता

इस अमेरिकी निर्माण केंद्र का समर्थन मॉर्गन एडवांस्ड मैटीरियल्स की यूरोपीय अवसंरचना करती है, विशेष रूप से यूनाइटेड किंगडम में, जो लंबे चक्र वाले एयरोस्पेस, रक्षा और वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स कार्यक्रमों के लिए वैश्विक कार्यक्रम समन्वय, अनुप्रयोग इंजीनियरिंग समर्थन और आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन सुनिश्चित करती है।

यह केंद्रित लेकिन वैश्विक रूप से जुड़ा नेटवर्क उन ग्राहकों को ठोस लाभ प्रदान करता है जो शून्य विफलता वाले वातावरण में कार्य कर रहे हैं:

- योग्य मिश्रधातु बैचों में असाधारण दोहराव क्षमता
- पूर्वानुमान योग्य और भरोसेमंद समयसीमा
- नियंत्रित और मिशन-क्रिटिकल कार्यक्रमों के लिए दीर्घकालिक आपूर्ति निरंतरता

ग्राहकों के लिए, यह केवल निर्माण क्षमता नहीं है–यह निर्माण पर विश्वास है।

इंजीनियर किए गए सिस्टम के रूप में चांदी ब्रेज़िंग

WESGO® मेटल्स में, चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं को कभी उपभोज्य वस्तु के रूप में नहीं लिया जाता। ये इंजीनियर किए गए जोड़ प्रणाली हैं, जिन्हें ग्राहक की प्रक्रियाओं, सामग्रियों और प्रदर्शन आवश्यकताओं के साथ सहज रूप से एकीकृत करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

उत्पाद पोर्टफोलियो जानबूझकर व्यापक है, ताकि ग्राहक विकास चक्र की शुरुआत में ही ब्रेज़िंग मिश्रधातु को डिज़ाइन में शामिल कर सकें और प्रदर्शन तथा लागत दोनों को अनुकूलित कर सकें। चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं को कई अनुप्रयोग-तैयार रूपों में प्रदान किया जाता है, जिनमें शामिल हैं:

- मिश्रधातु की मात्रा को सटीक रूप से नियंत्रित करने के लिए फॉइल और शीट
- मैनुअल या स्वचालित फीडिंग के लिए वायर और रॉड
- जटिल ज्यामितियों और सूक्ष्म जोड़ के लिए पाउडर और पेस्ट
- स्क्रैप और चक्र समय कम करने के लिए इंजीनियर किए गए प्रीफॉर्म (रिंग, वॉशर और कस्टम आकार)
- प्री-सिन्टर्ड प्रीफॉर्म (PSP™) जो लगभग नेट घनत्व और न्यूनतम सिकुड़न प्रदान करते हैं

यह लचीलापन बेहतर उत्पादन, पुन:कार्य को कम करना और स्वचालित उत्पादन के साथ अधिक संगतता सुनिश्चित करता है–ये महत्वपूर्ण लाभ हैं क्योंकि निर्माता अधिक सुव्यवस्थित और मजबूत आपूर्ति श्रृंखलाओं की ओर बढ़ रहे हैं।

उन्नत जोड़ने की विशेषज्ञता

WESGO® मेटल्स का एक मुख्य अंतर यह है कि इसकी जोड़ विज्ञान में गहन विशेषज्ञता है। सामग्री की आपूर्ति से आगे, यह संगठन जटिल जोड़ समस्याओं के लिए दशकों का अनुप्रयोग-स्तरीय ज्ञान प्रदान करता है, जिसमें शामिल हैं:

- सक्रिय चांदी ब्रेज़िंग सिस्टम जो मेटलाइजेशन के बिना सिरामिक को धातु से जोड़ने में सक्षम हैं
- वैक्यूम और नियंत्रित वातावरण के लिए अनुकूलित निम्न वाष्प-दबाव वाले फॉर्मुलेशन
- वेटिंग व्यवहार, तापीय स्थिरता और दीर्घकालिक जोड़ टिकाऊपन पर केंद्रित प्रक्रिया विकास विशेषज्ञता

इन क्षमताओं का समर्थन अनुभवी अनुप्रयोग इंजीनियरों और धातुकर्मज्ञों द्वारा किया जाता है, जो प्रोटोटाइप से लेकर पूर्ण पैमाने के उत्पादन तक सीधे ग्राहकों के साथ काम करते हैं। यह सहयोगी दृष्टिकोण WESGO को केवल सामग्री आपूर्तिकर्ता के रूप में नहीं, बल्कि एक दीर्घकालिक तकनीकी साझेदार के रूप में स्थापित करता है।

शून्य-व्यफिलता अनुप्रयोगों के लिए गुणवत्ता प्रणालियाँ

WESGO® मेटल्स की चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुएँ ऐसे वातावरण के लिए डिज़ाइन की गई एयरोस्पेस-ग्रेड गुणवत्ता प्रणालियों के तहत उत्पादन की जाती हैं, जहाँ ट्रेसबिलिटी और परिवर्तन नियंत्रण अपरिहार्य हैं। प्रमाणपत्रों में शामिल हैं:

- AS9100D
- ISO 9001:2015

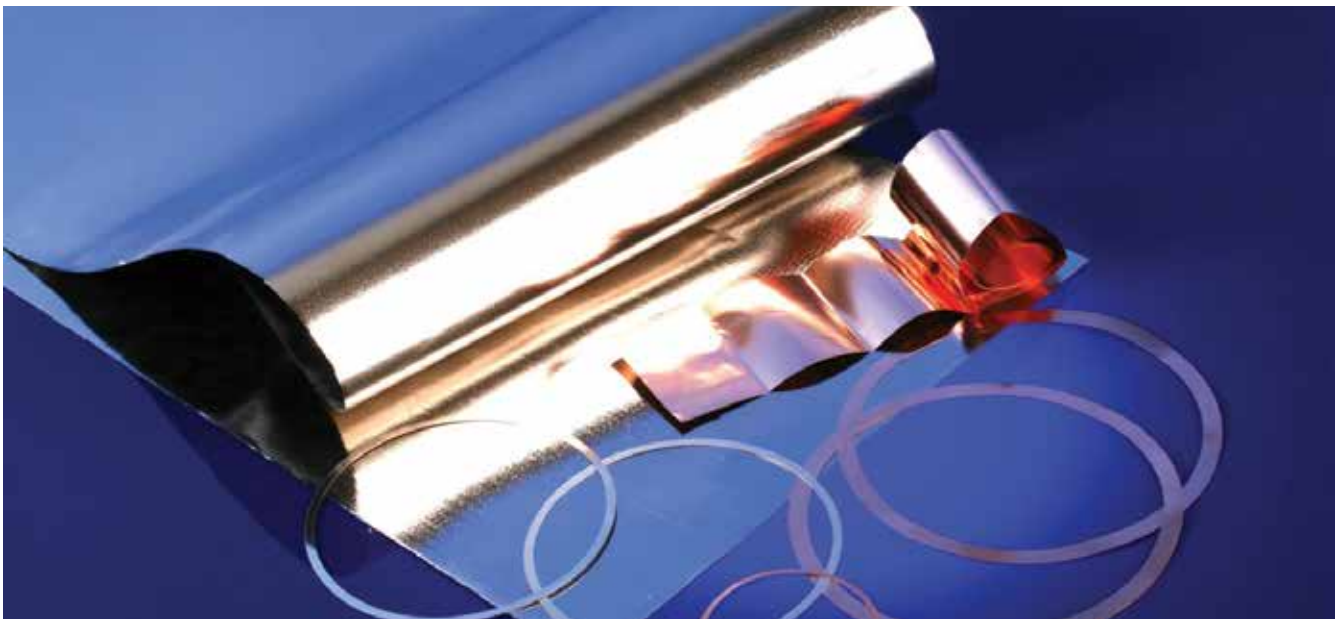

ये प्रणालियाँ पूर्ण सामग्री ट्रेसबिलिटी, कठोर दस्तावेज़ीकरण अनुशासन, और नियंत्रित प्रक्रिया परिवर्तन प्रबंधन सुनिश्चित करती हैं–ये एयरोस्पेस, रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स, मेडिकल डिवाइस और अन्य नियंत्रित क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय हैं, जहाँ पुनःपरीक्षण लागत अत्यधिक होती है।

उच्च-प्रभाव वाले उद्योगों में अनुप्रयोग

WESGO® मेटल्स की चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुएँ उन उद्योगों में सेवा देती हैं जहाँ प्रदर्शन सीमा संकीर्ण होती है और विश्वसनीयता प्रतिष्ठा को परिभाषित करती हैः एयरोस्पेस और रक्षा / वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर ट्यूब्स / सेमीकंडक्टर और उच्च वैक्यूम उपकरण / मेडिकल और विशेष इलेक्ट्रॉनिक्स

चांदी की अर्थव्यवस्था और सामग्री प्रबंधन

चांदी प्रदर्शन सक्षम करने वाला और लागत प्रेरक दोनों है। WESGO® मेटल्स इस द्वैत को केवल प्रति किलो मूल्य पर ध्यान केंद्रित करने के बजाय कुल-स्वामित्व-लागत दृष्टिकोण के माध्यम से संभालता है। मुख्य तत्वों में शामिल हैंः

- मिश्रधातु रसायन को अनुकूलित करना, जो चांदी की सामग्री और जोड़ के प्रदर्शन के बीच संतुलन बनाए
- धातु हानि को कम करने वाले उत्पादन-उपज केंद्रित उत्पाद रूप
- अनुप्रयोग समर्थन, जो ग्राहकों को संभव होने पर कम चांदी वाले विकल्पों की ओर स्थानांतरण में मदद करता है

परिणामस्वरूप जोड़ के पूरे जीवनचक्र में लागत अनुकूलन होता है, जो अस्थिर कीमती धातु बाजारों में एक बढ़ती हुई महत्वपूर्ण विशेषता है।

सततता, अनुपालन और जिम्मेदार निर्माण

मॉर्गन एडवांस्ड मैटीरियल्स के वैश्विक ESG फ्रेमवर्क के भीतर काम करते हुए, WESGO® मेटल्स अपने चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातु संचालन को कड़े सततता और अनुपालन मानकों के साथ संरेखित करता है, जिनमें शामिल हैंः

- ISO-समर्थित पर्यावरण प्रबंधन प्रथाएँ
- कैडमियम-मुक्त चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुओं का व्यापक पोर्टफोलियो
- RoHS, REACH, DFARS और ITAR आवश्यकताओं के साथ पूर्ण अनुपालन

चांदी बचत वाले फॉर्मुलेशन, उच्च उपज और लंबी सेवा जीवन पर जोर देकर, WESGO उच्च-मूल्य निर्माण में संसाधन दक्षता और सर्कुलर-इकोनॉमी उद्देश्यों में सार्थक योगदान देता है।

प्रतिस्पर्धात्मक अंतर

अंततः WESGO® मेटल्स को अलग बनाता है मात्रा नहीं, बल्कि इसकी क्षमता की गहराई हैः

- वैक्यूम में पिघली हुई, वैक्यूम-ग्रेड चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुएँ
- उन्नत सिरामिक-से-धातु जोड़ विशेषज्ञता
- इंजीनियर किए गए प्रीफॉर्म और PSP™ तकनीकें
- एयरोस्पेस-ग्रेड गुणवत्ता प्रणालियाँ
- मिशन-क्रिटिकल अनुप्रयोगों के लिए दीर्घकालिक कार्यक्रम स्थिरता

ये ताकतें WESGO को उस आपूर्तिकर्ता के रूप में पसंदीदा बनाती हैं जहाँ विफलता अस्वीकार्य है और विश्वास दशकों में निर्मित होता है।

त्वरित तथ्य | WESGO® मेटल्स – चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुएँ

केन्द्रित क्षेत्र

महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों के लिए उच्च-शुद्धता, वैक्यूम-ग्रेड चांदी ब्रेज़िंग मिश्रधातुएँ

निर्माण और संचालन

- हैयवर्ड, कैलिफ़ोर्निया, यूएसए – समर्पित वैक्यूम पिघलाने और फॉर्मिंग सुविधा
- यूनाइटेड किंगडम – वैश्विक समन्वय, इंजीनियरिंग एक्सेस, आपूर्ति श्रृंखला समर्थन

प्रमाणपत्र

- AS9100D
- ISO 9001:2015

उत्पाद रूप

- फॉइल और शीट
  वायर और रॉड
  पाउडर और पेस्ट
- इंजीनियर किए गए प्रीफॉर्म
- प्री-सिन्टर्ड प्रीफॉर्म (PSP™)

प्रमुख अंतिम उपयोग बाजार

- एयरोस्पेस और रक्षा
- वैक्यूम इलेक्ट्रॉनिक्स और पावर ट्यूब्स
- सेमीकंडक्टर और उच्च वैक्यूम उपकरण
- मेडिकल और विशेष इलेक्ट्रॉनिक्स

**Disclaimer:* This article includes information sourced from publicly available online materials believed to be reliable, though not independently verified. It is intended solely for general awareness and does not constitute financial, legal, or investment advice. Eventell and the authors assume no responsibility for any decisions or outcomes arising from its use.*

LBMA

LPM LONDON PLATINUM & PALLADIUM MARKET

Join us at the

Global Precious Metals Conference 2026

4 - 6 October 2026
Hilton Sorrento Palace
Sorrento, Italy

REGISTER NOW

conference@lbma.org.uk
www.lbma.org.uk/events

चांदी में इंजीनियरिंग विश्वसनीयता: यूमिकोर के इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट बिजनेस के अंदर

umicore

यूमिकोर के इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट व्यवसाय की उत्पत्ति यूरोप के विद्युतीकरण के प्रारंभिक दशकों से अलग नहीं की जा सकती। जैसे-जैसे 20वीं सदी की शुरुआत में विद्युत नेटवर्क, औद्योगिक मशीनरी और स्विचिंग सिस्टम तेजी से विकसित हुए, इंजीनियरों को एक बुनियादी सामग्री चुनौती का सामना करना पड़ा। चांदी–जो पहले से ही बेल्जियम के धातुकर्म पारिस्थितिकी तंत्र और यूमिकोर की रिफाइनिंग विरासत में केंद्रीय थी–अतुलनीय विद्युत चालकता प्रदान करती थी। फिर भी शुद्ध रूप में, यह बार-बार स्विचिंग, आर्किंग और तापीय तनाव के लिए अपर्याप्त साबित हुई।

इस चुनौती का सामना करने के लिए, यूमिकोर के पूर्ववर्ती संचालन ने अपनी चांदी-मिश्रधातु विशेषज्ञता का उपयोग करके ऐसी सामग्री विकसित करना शुरू किया जो चालकता और टिकाऊपन के बीच संतुलन बनाए रख सके। उद्देश्य व्यावहारिक और औद्योगिक था: जैसे-जैसे बिजली प्रयोगशालाओं से कारखानों, रेलमार्गों, यूटिलिटीज़ और घरों तक पहुँची, विद्युतीकरण को विश्वसनीय और मापनीय बनाना। अंतर-युद्ध और युद्धोत्तर औद्योगिक विस्तार तक, इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स यूमिकोर के सामग्री पोर्टफोलियो में एक स्पष्ट, मूल्य-वर्धित अनुप्रयोग के रूप में उभरे। समय के साथ, बढ़ती स्विचिंग मांगें, पर्यावरणीय नियम और प्रदर्शन अपेक्षाओं ने इस गतिविधि को एक विशेषीकृत इंजीनियर किए गए सामग्री व्यवसाय में बदल दिया–जो धातु की मात्रा पर नहीं, बल्कि विद्युत प्रणालियों के सबसे छोटे और महत्वपूर्ण इंटरफ़ेस पर विश्वसनीयता पर केंद्रित था।

निर्माता प्रोफाइल और विरासत

यूमिकोर की चांदी इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट्स में ताकत दो शताब्दियों से अधिक के धातुकर्म विशेषज्ञता में निहित है। अपने बेल्जियम मूल से, समूह ने एक पारंपरिक गैर-लौह धातु उद्यम से विकसित होकर एक वैश्विक सामग्री प्रौद्योगिकी कंपनी में रूपांतरित किया है। यह विकास स्पष्ट रूप से इसके इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट व्यवसाय में परिलक्षित होता है।

चांदी कॉन्टैक्ट सामग्री केवल कीमती धातु तक पहुँच से कहीं अधिक मांग करती है। इसके लिए मिश्रधातु रसायन, फेज़ व्यवहार, आर्क भौतिकी और दीर्घकालिक प्रक्रिया नियंत्रण की गहरी समझ की आवश्यकता होती है। यूमिकोर की विरासत इस जटिलता में महारत हासिल करने में निहित है। दशकों के दौरान, इसने चांदी की अंतर्निहित चालकता को कठोर स्विचिंग परिस्थितियों में स्थिर, पूर्वानुमेय और टिकाऊ प्रदर्शन में बदलने की क्षमता विकसित की है। यह यूमिकोर को केवल एक कमोडिटी आपूर्तिकर्ता के रूप में नहीं, बल्कि इलेक्ट्रिकल और औद्योगिक OEMs के लिए एक दीर्घकालिक इंजीनियरिंग साझेदार के रूप में स्थापित करता है।

मुख्य उत्पाद पोर्टफोलियोः इंजीनियर किए गए चांदी सिस्टम

यूमिकोर का चांदी इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट पोर्टफोलियो विशेष रूप से उच्च-प्रदर्शन मिश्रधातु और कंपोजिट सिस्टम पर केंद्रित है, जो विशिष्ट स्विचिंग वातावरण के अनुसार तैयार किए गए हैंः

सिल्वर–टिन ऑक्साइड ($AgSnO_2$)
आधुनिक कैडमियम-मुक्त कॉन्टैक्ट तकनीक की रीढ़। ये सामग्री कम और मध्यम वोल्टेज स्विचगियर में मजबूत आर्क क्षरण प्रतिरोध, तापीय स्थिरता और लंबी सेवा जीवन प्रदान करती हैं।

- **सिल्वर–निकेल (AgNi)**
  उन अनुप्रयोगों के लिए डिज़ाइन किया गया जहाँ चालकता, यांत्रिक शक्ति और कॉन्टैक्ट वेल्डिंग प्रतिरोध के बीच संतुलन आवश्यक हो।
- **सिल्वर–ग्रेफाइट / सिल्वर–कार्बन सिस्टम**
  उच्च-करंट और DC स्विचिंग वातावरण में उपयोग किए जाते हैं, जहाँ आर्क नियंत्रण और घिसावट व्यवहार महत्वपूर्ण होते हैं।
- **कस्टम सिल्वर मिश्रधातुएँ**
  ग्राहकों के साथ करीबी सहयोग में विकसित निजी मिश्रधातु, जो अनुप्रयोग-विशिष्ट विद्युत और यांत्रिक आवश्यकताओं को पूरा करती हैं।

उत्पाद रूप और एकीकरण क्षमता
यूमिकोर इन सामग्रियों को OEM-तैयार विभिन्न प्रारूपों में उपलब्ध कराता है, जिसमें कॉन्टैक्ट टिप्स और रिवेट्स, स्ट्रिप्स और प्रोफाइल्स, ड्रा किए हुए वायर और पाउडर मेटलर्जी कम्पैक्ट शामिल हैं। बढ़ती प्रवृत्ति में, कंपनी अर्ध-निर्मित या नियर-नेट-शेप घटक भी प्रदान करती है, जिससे ग्राहकों को असेंबली सरल बनाने, उत्पादन सुधारने और प्रक्रिया स्थिरता बढ़ाने में मदद मिलती है। यह एकीकरण क्षमता यूमिकोर को केवल कच्चा माल आपूर्तिकर्ता के बजाय समाधान प्रदाता के रूप में स्थापित करती है।

निर्माण स्थान और वैश्विक स्थिति
यूमिकोर का चांदी कॉन्टैक्ट उत्पादन वैश्विक रूप से वितरित निर्माण नेटवर्क में समाहित है, जो मात्र पैमाने के बजाय ग्राहकों के निकटता और आपूर्ति श्रृंखला की मजबूती पर आधारित है।

- यूरोप धातुकर्म, मिश्रधातु विकास और उच्च-सटीकता कॉन्टैक्ट निर्माण का मुख्य केंद्र बना हुआ है।
- एशिया, विशेष रूप से चीन और क्षेत्रीय केंद्र, तेजी से बढ़ते उपकरण, औद्योगिक और ऑटोमोटिव बाजारों का समर्थन करता है।

उत्पादन क्षमता को मॉड्यूलर और लचीला बनाया गया है, जिससे डिज़ाइन जीत और बदलते उत्पादन वॉल्यूम के लिए तेज़ी से प्रतिक्रिया देना संभव हो। यह ग्राहक-केंद्रित निर्माण रणनीति लीड टाइम को कम करती है और लॉजिस्टिक्स जोखिम को घटाती है।

अनुप्रयोग केंद्रित दृष्टिकोण और अंत-उपयोग रणनीति
यूमिकोर की चांदी इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट सामग्री प्रदर्शन-संवेदनशील अनुप्रयोगों में उपयोग की जाती है, जिनमें शामिल हैंः

- कम और मध्यम वोल्टेज स्विचगियर
- सर्किट ब्रेकर और कॉन्टैक्टर्स
- औद्योगिक नियंत्रण उपकरण
- ऑटोमोटिव और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी पावर सिस्टम
- उच्च-विश्वसनीयता वाले उपकरण

कंपनी उन अनुप्रयोगों को प्राथमिकता देती है जिनमें उच्च स्विचिंग फ़्रीक्वेंसी, उच्च दोष ऊर्जा, या लंबा सेवा जीवन शामिल हो–ऐसे वातावरण जहाँ सामग्री की असंगतता महंगी पड़ती है और इंजीनियरिंग गहराई को महत्व दिया जाता है।

ग्राहक सहभागिता और डिज़ाइन-इन दर्शन
यूमिकोर के चांदी कॉन्टैक्ट व्यवसाय की एक प्रमुख विशेषता इसका डिज़ाइन-इन दृष्टिकोण है। ग्राहक सहभागिता आमतौर पर इंजीनियरिंग चरण में शुरू होती है, न कि जब तकनीकी विनिर्देश तय हो चुके हों। OEM विकास टीमों के साथ घनिष्ठ रूप से काम करते हुए, यूमिकोर स्विचिंग परिस्थितियों के मूल्यांकन, मिश्रधातु चयन, प्रोटोटाइप निर्माण और सत्यापन परीक्षण का समर्थन करता है। एक बार जब कोई सामग्री किसी उत्पाद में डिज़ाइन हो जाती है, तो यह अक्सर पूरे जीवनकाल के लिए अपरिवर्तित रहती है–अकसर एक दशक या उससे अधिक समय तक। यह टिकाऊ, दीर्घकालिक संबंध और उच्च स्विचिंग लागत पैदा करता है, जिससे मांग की स्थिरता मजबूत होती है।

सततता, अनुपालन और सर्कुलर अर्थव्यवस्था
यूमिकोर के चांदी कॉन्टैक्ट व्यवसाय में सततता संरचनात्मक है, केवल एक अतिरिक्त पहल नहीं:

- औद्योगिक स्क्रैप और जीवन समाप्ति उत्पादों से पुनर्नवीनीकृत चांदी का व्यापक उपयोग
- निर्माण प्रक्रिया में सीधे समाहित बंद-संचरण (क्लोज़्ड-लूप) पुनर्चक्रण
- RoHS, REACH और वैश्विक पर्यावरणीय नियमों का पूर्ण अनुपालन
- कैडमियम-मुक्त कॉन्टैक्ट सिस्टम पर जोर

यह सर्कुलर मॉडल प्राथमिक चांदी पर निर्भरता कम करता है, पर्यावरणीय प्रभाव घटाता है और लागत की पूर्वानुमान्यता सुधारता है–ये सभी कारक वैश्विक OEMs द्वारा तेजी से महत्व दिए जाने वाले हैं।

मूल्य निर्धारण गतिकी और कच्चे माल का जोखिम
हालाँकि चांदी की कीमतें बाहरी रूप से निर्धारित होती हैं, यूमिकोर का व्यवसाय मॉडल अस्थिरता को कम करता है:

- पारदर्शी चांदी पास-थ्रू तंत्र
- प्रोसेसिंग जटिलता और प्रदर्शन गारंटी को दर्शाने वाले मूल्य-आधारित प्रीमियम
- पुनर्चक्रण प्रवाह जो स्पॉट मार्केट उतार-चढ़ाव के प्रति कुल जोखिम कम करते हैं

इसके परिणामस्वरूप, मूल्य निर्धारण चर्चा केवल धातु की कीमत पर नहीं बल्कि कुल स्वामित्व लागत और विश्वसनीयता पर आधारित होती है।

अनुसंधान एवं विकास क्षमता और नवाचार दिशा
यूमिकोर के चांदी इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट में अनुसंधान एवं विकास प्रयास विकसित होती प्रणाली आवश्यकताओं के अनुरूप हैं:

- उच्च स्विचिंग गति और कॉम्पैक्ट डिज़ाइन के अनुकूल सामग्री
- डीसी लोड और नवीकरणीय ऊर्जा अनुप्रयोगों में बेहतर प्रदर्शन
- थर्मल और यांत्रिक तनाव में बढ़ी हुई टिकाऊपन

महत्वपूर्ण रूप से, R&D को निर्माण से घनिष्ठ रूप से जोड़ा गया है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि नवाचार औद्योगिक रूप से मजबूत और पैमाने पर लागू करने योग्य हों।

आपूर्ति श्रृंखला लचीलापन और वैश्विक पदचिह्न
भू-राजनीतिक अस्थिरता और आपूर्ति में व्यवधान के इस युग में, यूमिकोर के चांदी कॉन्टैक्ट व्यवसाय को बहु-क्षेत्रीय निर्माण, इन-हाउस शुद्धिकरण और पुनर्चक्रण, तथा लंबे समय से चल रही OEM संबंधों से लाभ मिलता है। यह लचीलापन इसे मिशन-संवेदनशील सामग्रियों का भरोसेमंद और दीर्घकालिक आपूर्तिकर्ता के रूप में स्थापित करता है।

प्रतिस्पर्धात्मक भिन्नता
यूमिकोर का चांदी इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट में नेतृत्व चार स्तंभों पर आधारित है:

1. चांदी की सोर्सिंग से लेकर पुनर्चक्रण तक अंत-से-अंत नियंत्रण
2. गहन, अनुप्रयोग-विशिष्ट धातुकर्म विशेषज्ञता
3. अंतर्निहित सततता और नियामक अनुपालन
4. डिज़ाइन-इन साझेदारियाँ जो दीर्घकालिक मांग सुनिश्चित करती हैं

कुछ ही प्रतिस्पर्धी इन तत्वों को इसी गहराई और एकीकृत तरीके से जोड़ पाते हैं।

रणनीतिक रोडमैप और दृष्टिकोण
आगे देखते हुए, यूमिकोर का चांदी इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट व्यवसाय शक्तिशाली संरचनात्मक रुझानों के अनुरूप है: वैश्विक विद्युतीकरण, नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, और कड़े होते पर्यावरणीय नियम। विकास केवल मात्रा से नहीं, बल्कि उच्च-मूल्य, उच्च-प्रदर्शन वाली चांदी समाधानों से होने की उम्मीद है, जो सुरक्षित और अधिक कुशल विद्युत प्रणालियों को सक्षम बनाती हैं।

समापन दृष्टिकोण
चांदी इलेक्ट्रिकल कॉन्टैक्ट व्यवसाय में, यूमिकोर वहां प्रतिस्पर्धा करता है जहाँ धातुकर्म मिशन-संवेदनशील बन जाता है। इसकी सफलता बेची गई औंस में नहीं, बल्कि प्रदान किए गए लाखों विश्वसनीय स्विचिंग साइकिलों में मापी जाती है। जैसे-जैसे विद्युतीकरण गहरा होता है और सततता की अपेक्षाएँ बढ़ती हैं, यूमिकोर के इंजीनियर्ड

**Disclaimer:* This article includes information sourced from publicly available online materials believed to be reliable, though not independently verified. It is intended solely for general awareness and does not constitute financial, legal, or investment advice. Eventell and the authors assume no responsibility for any decisions or outcomes arising from its use.*

ENGINEERING
ASSAY
MELTING
CASTING
REFINING
FUME TREATMENT
ASHES TREATMENT PLANTS
THERMAL TREATMENT
E-WASTE
AUTOMATION
MINTING & COINING
INGOTS PRODUCTION
INGOTS HALLMARKING
METAL GRAIN DOSING & PACKAGING

ITALIMPIANTI ORAFI

Precious metal recovery and refining plants

www.italimpianti.it

TERA® automation

Automation and smart solutions

www.tera-automation.com

जब सोना मलिता है कोड से: कीमती धातुओं के टोकनाइजेशन में गहन अध्ययन

सोना हमेशा विश्वसनीय रहा है क्योंकि यह भौतिक, दुर्लभ और कालातीत है। लेकिन क्या होता है जब इस सबसे पुराने मूल्य भंडार को डिजिटल दुनिया में लाया जाता है?

यह सवाल "रियल वर्ल्ड एसेट टोकनाइजेशन" वेबिनार श्रृंखला के पहले सत्र के केंद्र में था, जिसे Investment Trust Info और AKW Consultants ने संयुक्त रूप से आयोजित किया। इस सत्र में वॉल्टिंग, तकनीक, इन्फ्रास्ट्रक्चर, नियमन और लाइव टोकन प्लेटफॉर्म से जुड़े विशेषज्ञों ने यह जांचा कि क्या कीमती धातुओं–विशेष रूप से सोने–को सुरक्षित और अर्थपूर्ण तरीके से टोकनाइज़ किया जा सकता है।

चर्चा ने शुरुआत में ही एक बात स्पष्ट कर दी: टोकनाइजेशन का उद्देश्य सोने को बदलना नहीं है। इसका मकसद यह पुनः परिभाषित करना है कि सोना कैसे स्वामित्व में लिया जाता है, स्थानांतरित किया जाता है और उपयोग किया जाता है।

सुरुआत का संदेश: टोकनाइजेशन का आधार विश्वास है

सत्र की शुरुआत करते हुए, श्रीवात्सव गणपति, CEO और निदेशक, Eventell Global Advisory ने बातचीत को सावधानीपूर्वक ढांचा दिया। उन्होंने कहा कि टोकनाइजेशन को अक्सर केवल एक तकनीकी विचार के रूप में समझा जाता है, जबकि वास्तविकता में यह विश्वास, संरचना और वास्तविक दुनिया में स्वीकृति के बारे में है।

उन्होंने समझाया कि कीमती धातियाँ टोकनाइजेशन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त हैं क्योंकि वे पहले से ही मानकीकृत और वैश्विक रूप से विश्वसनीय हैं। चुनौती सोने को डिजिटल बनाने में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने में है कि डिजिटल सोना भौतिक सोने जितना ही भरोसेमंद लगे। इस संदर्भ में, चर्चा धीरे-धीरे उस इकोसिस्टम के माध्यम से आगे बढ़ी जो टोकनाइज़्ड सोने को संभव बनाता है।

श्री ग्रेगर ग्रेगरसन,
संस्थापक, सिल्वर बुलियन और द रिज़र्व:

आधार: भौतिक सोना और वॉल्ट

पहला गहन अध्ययन ग्रेगर ग्रेगरसन से आया, जिन्होंने बातचीत को दृढ़ता से भौतिक दुनिया की ओर मोड़ा। उन्होंने समझाया कि मूल रूप से, एक गोल्ड टोकन केवल उस वास्तविक सोने से जुड़ा एक डिजिटल लेबल है जो वॉल्ट के अंदर रखा होता है। यदि सोना वास्तविक, आवंटित या सत्यापनीय नहीं है, तो टोकन का कोई अर्थ नहीं रह जाता।

उन्होंने जोर दिया कि सोने का समर्थन हमेशा पूरी तरह से आवंटित होना चाहिए, न कि पूल किया गया या केवल वादा किया गया। निवेशकों को यह पूरी तरह से पता होना चाहिए कि कौन सा सोना उनके लिए है। इसलिए वॉल्ट ऑपरेटरों की भूमिका महत्वपूर्ण है–टोकन जारी करने में नहीं, बल्कि यह साबित करने में कि सोना वास्तव में मौजूद है।

जबकि पब्लिक ब्लॉकचेन स्वतंत्रता और लचीलापन प्रदान करते हैं, ग्रेगर ने चेतावनी दी कि नियामक अक्सर खुले हस्तांतरण को सीमित करते हैं। रिडेम्पशन (भुनाना) भी एक व्यावहारिक चुनौती बनी रहती है, विशेषकर जब छोटे मात्रा में सोने से निपटना हो। उनका संदेश सीधा और स्थिर था: "टोकनाइजेशन तभी काम करता है जब विश्वास वॉल्ट से शुरू होता है।"

श्री ग्रेगर ग्रेगरसन

SOVEREIGN
METALS LIMITED

Sovereign Metals Limited is in the business of refining precious metals (gold and silver) and supplying highest and most consistent quality products and related services and solution to customers at their place of convenience by leveraging its competent and customer-focused human resources, industry-leading technology infrastructure and transparent and globally compliant-sourcing practices.

Sovereign Metals Limited would pursue environmentally sustainable manufacturing practices and would strive to be a world leader in its chosen segment from India.

www.sovereignmetals.in

श्री माइकल सो

श्री माइकल सोः सोने को कोड में बदलना

वॉल्ट से चर्चा ब्लॉकचेन मैकेनिक्स की ओर बढ़ी, जहाँ माइकल सो ने तकनीक को वास्तविकता से जोड़कर समझाया। उन्होंने ब्लॉकचेन को सरल शब्दों में वर्णित कियाः एक सुरक्षित डिजिटल लेजर जो स्वामित्व को रिकॉर्ड करता है। इस संदर्भ में, एक टोकन केवल यह रिकॉर्ड है कि एक विशेष वॉलेट में सोने की एक निश्चित मात्रा है।

लेकिन सभी टोकन समान नहीं होते। कुछ वास्तविक स्वामित्व दर्शाते हैं, जबकि कुछ केवल दावे या वादा दिखाते हैं (उदाहरण के लिए, गोदाम रसीद)। उन्होंने समझाया कि विभिन्न टोकन स्टैंडर्ड ट्रांसफर को कैसे संभालते हैं–कुछ स्वतंत्र आंदोलन की अनुमति देते हैं, जबकि अन्य संस्थागत उपयोग के लिए अनुपालन जांच जोड़ते हैं।

महत्वपूर्ण बात यह है कि सोने के टोकन को ब्लॉकचेन के बीच स्थानांतरित करना अब केवल सैद्धांतिक नहीं रहा। इंटरऑपरेबिलिटी पहले से मौजूद है, और नए स्टैंडर्ड्स किसी गलती या उल्लंघन की स्थिति में सुधार की अनुमति देते हैं।
उनका निष्कर्ष आश्वस्त करने वाला लेकिन यथार्थपरक थाः "तकनीक तैयार है–लेकिन वास्तविक संपत्तियाँ मजबूत नियंत्रण की मांग करती हैं।"

श्री रॉबर्ट फार्क्वार
चीफ कमर्शियल ऑफिसर, Ctrl Alt – नवाचार से संस्थाओं तक

इसके बाद, रॉबर्ट फार्क्वार ने ध्यान बाजारों और संस्थाओं की ओर मोड़ा। उन्होंने कहा कि टोकन बनाना आसान है। कठिन सवाल यह हैः टोकन कानूनी रूप से क्या दर्शाता है? क्या यह एक व्यापार योग्य विकल्प है, या सोने का वास्तविक स्वामित्व?

सच्चा मूल्य केवल तभी सामने आता है जब टोकन वास्तविक स्वामित्व को दर्शाते हैं, न कि वित्तीय अमूर्तता को। यही वह समय है जब टोकनाइज्ड गोल्ड बड़े बुलियन खिलाड़ियों के लिए मायने रखने लगता है।

रॉबर्ट ने उद्योग की मानसिकता में एक स्पष्ट बदलाव देखा। वे संस्थान जिन्होंने कभी टोकनाइजेशन को नकारा था, अब इसे सक्रिय रूप से खोज रहे हैं। वे धीरे-धीरे बढ़ते हैं, लेकिन उद्देश्यपूर्ण रूप से। और जब वे प्रतिबद्ध होते हैं, तो वे पैमाना, स्थिरता और विश्वसनीयता लाते हैं।

जोखिम पर, वह स्पष्ट थे। टोकनाइजेशन जोखिम को समाप्त नहीं करता–बल्कि इसे दिखाई देने योग्य, मापने योग्य और प्रोग्राम करने योग्य बनाता है।

संस्थाएँ आ रही हैं–सावधानीपूर्वक, लेकिन निर्णायक रूप से।

श्री रॉबर्ट फार्क्वार

श्री माइकल व्हार्टन

श्री माइकल व्हार्टन, डायरेक्टर, AKW कंसल्टेंट्स – नियमः विश्वसनीयता के द्वारपाल
टोकनाइज्ड गोल्ड पर कोई चर्चा तब तक पूरी नहीं होती जब तक नियमों पर बात न हो, और माइकल व्हार्टन ने इस मुद्दे को सीधे संबोधित किया।

उन्होंने समझाया कि टोकनाइज्ड गोल्ड एक जटिल इंटरसेक्शन पर स्थित हैः एक ओर पारंपरिक कीमती धातुओं का नियमन है और दूसरी ओर वर्चुअल एसेट नियमन। परिणामस्वरूप, नियामक स्पष्टता की मांग करते हैं। वे रिज़र्व का प्रमाण, स्पष्ट स्वामित्व अधिकार, मजबूत AML नियंत्रण, और नियमित स्वतंत्र ऑडिट चाहते हैं। यूएई में, सोने का व्यापार और टोकन जारी करना अलग-अलग प्राधिकरणों के अंतर्गत आता है, और उनके बीच समन्वय आवश्यक है।

यह कि एक गोल्ड टोकन को कमोडिटी के रूप में माना जाए या सिक्योरिटी के रूप में, यह बहुत हद तक इसके उपयोग पर निर्भर करता है। जैसे ही टोकन यील्ड, लेंडिंग, या भुगतान सुविधाएँ प्रदान करने लगते हैं, नियामक जांच तीव्र रूप से बढ़ जाती है।
उनका संदेश स्पष्ट थाः "टोकनाइजेशन नियामक अपेक्षाओं को बढ़ाता है–इसे दरकिनार नहीं करता।"

श्री उस्मान सदीम, सह-संस्थापक और CEO,
Oro Labs – फील्ड से सीख
सेशन का समापन वास्तविक अनुभव से हुआ, जिसमें उस्मान सदीम, Oro Labs के संस्थापक, ने साझा किया।

उन्होंने बताया कि एक लाइव टोकनाइज्ड गोल्ड प्लेटफॉर्म बनाने में, तकनीक सबसे कठिन हिस्सा नहीं थी। कानूनी संरचना, ऑडिट, तरलता, और बाजार में विश्वास बनाए रखना कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण था। उन्होंने देखा कि अधिकांश गोल्ड टोकन कागज पर एक जैसे दिखाई देंगे। वास्तविक विजेता और बाकी के बीच फर्क बनाएगा वितरण, तरलता, और असली उपयोग के मामले–सोने तक पहुँच, यील्ड के अवसर, और सोने का कॉलेटरल के रूप में उपयोग करने की क्षमता।

ऑडिट, मजबूत साझेदार, और पारदर्शी नियंत्रण अनिवार्य हैं, क्योंकि भौतिक सोने को कभी पूरी तरह विकेंद्रीकृत नहीं किया जा सकता। विश्वास (Trust) फिर से केंद्र में है। डिजिटल गोल्ड को केवल नवाचारी दिखने के लिए नहीं, बल्कि वास्तविक समस्याओं का समाधान करने के लिए होना चाहिए।

श्री उस्मान सदीम

एक प्राचीन संपत्ति का नया अध्याय
सेशन के समापन पर एक विचार सबसे अधिक महत्वपूर्ण लगाः टोकनाइज़ेशन सोने का पुनर्निर्माण नहीं है, बल्कि इसके सफर की नई रूपरेखा है। वजन, शुद्धता और संरक्षण की सदियों पुरानी गारंटियाँ अब कोड में बदल रही हैं–सावधानीपूर्वक, सोच-समझकर और बढ़ती भरोसेमंद तरीके से। बुनियादी ढांचा तैयार है, वॉल्ट भरोसेमंद हैं, और नियामक ढांचे विकसित हो रहे हैं। आगे का रास्ता केवल नवाचार की दौड़ नहीं है, बल्कि विश्वसनीयता की परीक्षा है। इस नए अध्याय में, वे विजेता होंगे जो तकनीकी सटीकता को विश्वास, पारदर्शिता और वास्तविक आर्थिक उपयोग के अनमोल सिद्धांतों के साथ जोड़ेंगे। सोना प्राचीन हो सकता है–लेकिन इसका डिजिटल भविष्य अभी बस शुरुआत में है।

समग्र इलियट वेव विश्लेषण सोने के ऐतिहासिक बुल मार्केट का

श्री राजीव दारजी, असिस्टेंट वाइस प्रेसिडेंट - रिसर्च एनालिस्ट

यह विस्तृत साप्ताहिक सोने का चार्ट, दिनांक 24 दिसंबर, 2023, एक जटिल इलियट वेव फ्रेमवर्क प्रस्तुत करता है जो सोने की पूरी यात्रा को इसके 2015 के बेस $1,046 से लेकर 2027 तक के प्रोजेक्टेड लक्ष्यों तक मैप करता है। चार्ट के ऊपरी बाएँ कोने में दो समग्र डेटा टेबल शामिल हैं–एक "मेजर इलियट वेव" संरचना के लिए और दूसरा "माइनर इलियट वेव" ब्रेकडाउन के लिए– जो प्रत्येक वेव साइकिल के सटीक प्रारंभ, समाप्ति, और डेल्टा मान प्रदान करते हैं, और ट्रेडर्स को सोने की बहु-वर्षीय प्रगति का गणितीय रोडमैप देते हैं।

मेजर इलियट वेव संरचनाः बड़ा चित्रः

मेजर इलियट वेव तालिका सोने के ऐतिहासिक प्रदर्शन और भविष्य की अपेक्षाओं को असाधारण सटीकता के साथ दस्तावेज़ करती है। वेव I ने $1,046 से $2,075 तक 1,029 अंक की प्रगति की, जो 100% लाभ दर्शाता है और प्रारंभिक बुलिश इम्पल्स स्थापित करता है। वेव II ने 460 अंक की वापसी करके $1,615 पर पहुँचा, जो 45% गिरावट है और massive वेव III रैली के लिए लॉन्चपैड तैयार करता है। तालिका वेव III की पूर्णता के लिए दो परिदृश्य प्रस्तुत करती हैः पहला लक्ष्य $4,548 है, जो 2,933 अंक की वृद्धि (285% लाभ) दर्शाता है, जबकि दूसरा $4,702 तक फैला है, जो 3,087 अंक की वृद्धि (300% लाभ) है। ये लक्ष्य सोने के वर्तमान शीर्ष क्षेत्र को दर्शाते हैं, जो संकेत देता है कि वेव परिश्रमी होने के करीब है।

अपेक्षित वेव IV सुधारः कई परिदृश्यः

अपेक्षित वेव IV सुधार को दो विशिष्ट परिदृश्यों के साथ दर्शाया गया है, जिन्हें उनके भविष्य-केंद्रित स्वरूप को उजागर करने के लिए नारंगी रंग में हाइलाइट किया गया है। पहला परिदृश्य $4,548 से $3,519 तक गिरावट की भविष्यवाणी करता है, जो 1,029 अंक की कमी है (वेव I के लाभ का 100% रिट्रेसमेंट)। दूसरा लक्ष्य $3,303 है, जो 1,245 अंक के सुधार को दर्शाता है। ये पूर्वानुमान संकेत देते हैं कि सोना वर्तमान शीर्ष स्तर से 20-27% तक लौट सकता है, और अगले उछाल से पहले $3,300-$3,500 की सीमा में समर्थन स्थापित करेगा।

माइनर एलियट वेव ब्रेकडाउन और वेव V प्रोजेक्शनः

माइनर एलियट वेव तालिका वेव III की आंतरिक संरचना का विस्तृत विवरण देती है, दिखाती है कि $1,615 के आधार से रैली पाँच उप-तरंगों के माध्यम से कैसे विकसित हुई। वेव i ने 452 अंक (100%) बढ़त बनाई, वेव iii ने 980 अंक (217%) की छलांग लगाई, और वेव v का अनुमान $4,548-$4,570 तक पहुँचने का है, जो 2,012-2,034 अंक की वृद्धि (445-450%) दर्शाता है। मेजर तालिका में अंतिम वेव V प्रोजेक्शन $5,408 से $6,437 की सीमा को लक्षित करता है, जो वेव IV के निचले स्तर से संभावित 2,058-3,087 अंक (200-300%) की वृद्धि को दर्शाता है, इस ऐतिहासिक बुलिश चक्र को पूरा करते हुए सोना संभावित रूप से $6,400+ तक पहुँच सकता है।

अस्वीकरण – यह रिपोर्ट केवल सूचना के उद्देश्यों के लिए है और इसे निवेश सलाह के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। यह रिपोर्ट PhillipCapital (India) Pvt. Ltd. (PCIPL) द्वारा केवल जानकारी के लिए तैयार और वितरित की गई है, और इसमें निहित जानकारी या व्यक्त की गई कोई भी राय किसी सुरक्षा, निवेश, या डेरिवेटिव की खरीद या बिक्री के उद्देश्य से प्रलोभन या सलाह देने के रूप में नहीं समझी जानी चाहिए। प्रतिभूतियों के बाजार में निवेश बाजार जोखिमों के अधीन होता है, निवेश करने से पहले संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। आपको निवेश करने से पहले जोखिम खुलासे दस्तावेज़ और निवेश के दौरान करने योग्य और न करने योग्य कार्यों (Do's and Don'ts) को भी पढ़ना चाहिए। कृपया ध्यान दें कि पिछला प्रदर्शन भविष्य के प्रदर्शन के लिए मार्गदर्शक नहीं हो सकता। विस्तृत अस्वीकरण के लिए कृपया शोध रिपोर्ट देखें और/या हमारी वेबसाइट www.phillipcapital.in पर जाएँ।

चांदी की एलीट वेव यात्राः 2026 में सुधार की संभावना या $110 तक पेराबोलिक उछाल?

श्री वेंकटरामन एस
मुख्य अनुसंधान अधिकारी, इवेंटेल ग्लोबल एडवाइजरी प्रा. लि.

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में, साल 2025 में सिल्वर की स्पॉट कीमतों ने लगभग 150 प्रतिशत की तेजी दिखाई, जो 1979 के बाद से दूसरी सबसे बड़ी तेजी है। दिसंबर 2025 के अंतिम सप्ताह में, सिल्वर की कीमतें $84.03 प्रति औंस के ऐतिहासिक उच्च स्तर तक पहुँच गईं।
अब, आइए यह विश्लेषण करें कि तकनीकी विश्लेषण और एलियट वेव सिद्धांत का उपयोग करके 2026 और उसके बाद सिल्वर की कीमतें कैसे व्यवहार करने की संभावना है।

यहाँ हम $17.56 प्रति औंस (29 अगस्त, 2022) के न्यूनतम स्तर को आरंभिक बिंदु मानते हैं, क्योंकि पिछले न्यूनतम $11.64 प्रति औंस (16 अप्रैल, 2020) ने वेव 1 और वेव 2 के सिद्धांतों का उल्लंघन किया है (समय अवधि के संदर्भ में, क्योंकि वेव 2 की अवधि वेव 1 से अधिक है)।

Count	Range	Duration
Wave1	$17.56-$26.13	8 months 7 days (29th Aug 2022 to 1st May 2023)
Wave2	$26.13-$20.69	5 months (1st May 2023 to 2nd Oct 2023)
Wave3	$20.69-$34.87	12 months 19 days (2nd Oct 2023 to 21st Oct 2024)
Wave4	$34.87-$28.31	5 months 15 days (21st Oct 2024 to 7th Apr-2025)
Wave5	$28.31-$84.03	8 months 22 days (7th-Apr-25 to 29th-Dec-2025)

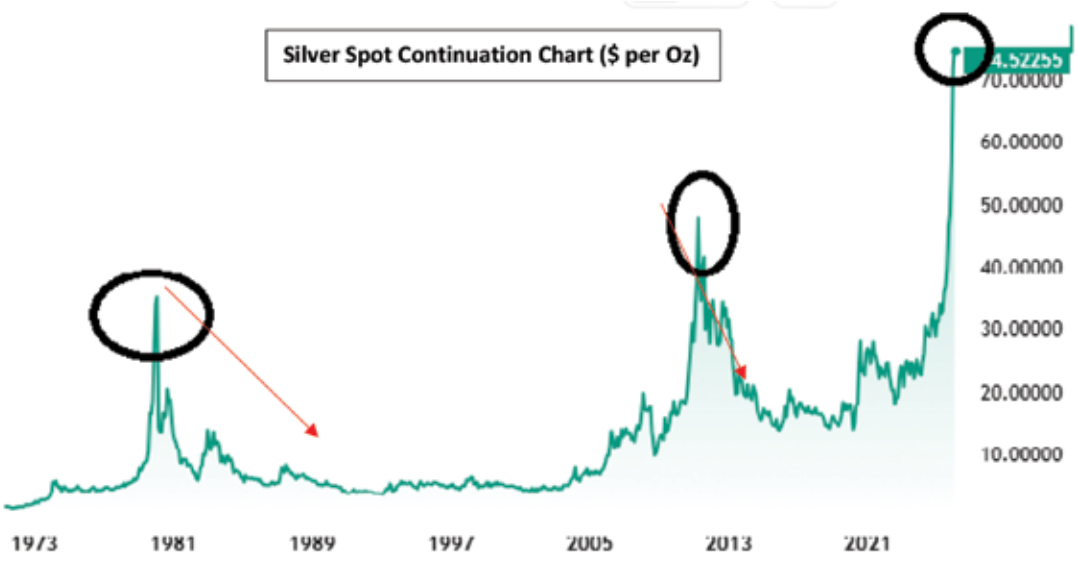

सामान्यतः, एलियट वेव में मुख्य वेव 3 की उप-वेव V या मुख्य वेव 5 की उप-वेव V अक्सर कम समय में विशाल पैरबोलिक रैली देखने को मिलती है। यहाँ, 21 नवंबर 2025 से, चांदी की कीमतें $48.64 प्रति औंस से बढ़कर 29 दिसंबर 2025 को रिकॉर्ड उच्च $84.03 तक पहुँच गईं और इस प्रक्रिया में 73 प्रतिशत की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की, जो कि 2025 की रैली का लगभग आधा हिस्सा है।

उपर्युक्त आधार पर, हमारा मानना है कि चांदी की कीमतें अगले 5-6 महीनों में या 2026 की पहली छमाही (H1) में काफी सुधार कर सकती हैं। यह तब तक मान्य है जब तक $84.03 प्रति औंस का स्तर दो दिन के क्लोजिंग आधार पर उल्लंघन नहीं होता। निचले स्तर पर, कीमतें अगले छह से आठ हफ्तों में $66 और $61 प्रति औंस के क्षेत्र में सुधार सकती हैं, और फिर $75-78 के बैंड की ओर बढ़ सकती हैं, इससे पहले कि यह $56-51 प्रति औंस के निचले समर्थन का परीक्षण करे (यह संभवतः मई 2026 के दौरान हो सकता है)। बुलिश रद्दीकरणः $85/औंस (दो दिन का क्लोज) से ऊपर एक निर्णायक मूव सुधार को रद्द कर देगा, और यह संकेत देगा कि वेव 5 $100-110/औंस तक बढ़ सकती है। 1980 और 2011 के ऐतिहासिक समानताएं दिखाती हैं कि इसी तरह की विस्फोटक रैलियों के बाद बहु-वर्षीय सुधार हुए थे। 2026 की H1 यह स्पष्ट करेगी कि बुल मार्केट बना हुआ है या बड़ी गिरावट के लिए जगह दे रहा है। यह H1 2026 तक ही पता चलेगा कि बुलिश ट्रेंड अभी भी कायम है या चांदी बड़ी सुधार के लिए तैयार है।

सोने की रणनीति के दो दशकः कैसे केंद्रीय बैंकों ने अपने भंडार को पुनर्परिभाषित किया (2000–2024)

श्री प्रतीक तंब्रे, वरिष्ठ विश्लेषक – कीमती धातुएँ, बुलियन वर्ल्ड

परिचय
साल 2000 के आरंभ में, सोना पिछले जमाने की संपत्ति जैसा लग रहा था। पश्चिमी केंद्रीय बैंक शुद्ध विक्रेता थे, वैश्विक वित्त डॉलर के इर्द-गिर्द घूम रहा था, और बुलियन आधिकारिक बैलेंस शीट पर एक अवशिष्ट लाइन बने रहने के लिए प्रतीत हो रहा था। 2024 तक, परिदृश्य पूरी तरह बदल चुका था। केंद्रीय बैंक–विशेष रूप से उभरते बाजारों में–ने सोने के लिए एक शांत लेकिन गहन वापसी का आयोजन किया, विक्रेता से बदलकर बाजार के सबसे लगातार खरीदारों में से कुछ बन गए। "भुला दिया गया अवशेष से रणनीतिक भंडार तक–सोने की वापसी ने यह पुनर्परिभाषित किया कि राष्ट्र मौद्रिक सुरक्षा के बारे में कैसे सोचते हैं।

बड़ी तस्वीरः स्थिरता से उछाल तक
2000 और 2024 के बीच, आधिकारिक क्षेत्र के सोने के भंडार लगभग 28,550 टन से बढ़कर 32,141 टन हो गए, जो भौतिक मात्रा में मामूली वृद्धि थी। लेकिन मूल्य के संदर्भ में, भंडार लगभग 252 अरब अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 2.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया, जिसे कई वर्षों की मूल्य वृद्धि और सोने की फिर से स्थापित रणनीतिक प्रासंगिकता ने संचालित किया।

यह केवल बाजार उछाल नहीं था; यह मौद्रिक पुनर्विचार था। बढ़ते सार्वजनिक ऋण, असामान्य नीतियों, और बढ़ते प्रतिबंध जोखिम की दुनिया में, सोने की क्रेडिट और काउंटरपार्टी जोखिम की कमी इसे फिर से एक आकर्षक एंकर बना देती थी।
चार्ट 1: वैश्विक केंद्रीय बैंक सोने के भंडार (2000–2024) – सम्मिलित लाइन और कॉलम चार्ट, जिसमें बाएँ अक्ष पर टन और दाएँ अक्ष पर अमेरिकी डॉलर का मूल्य दिखाया गया है।

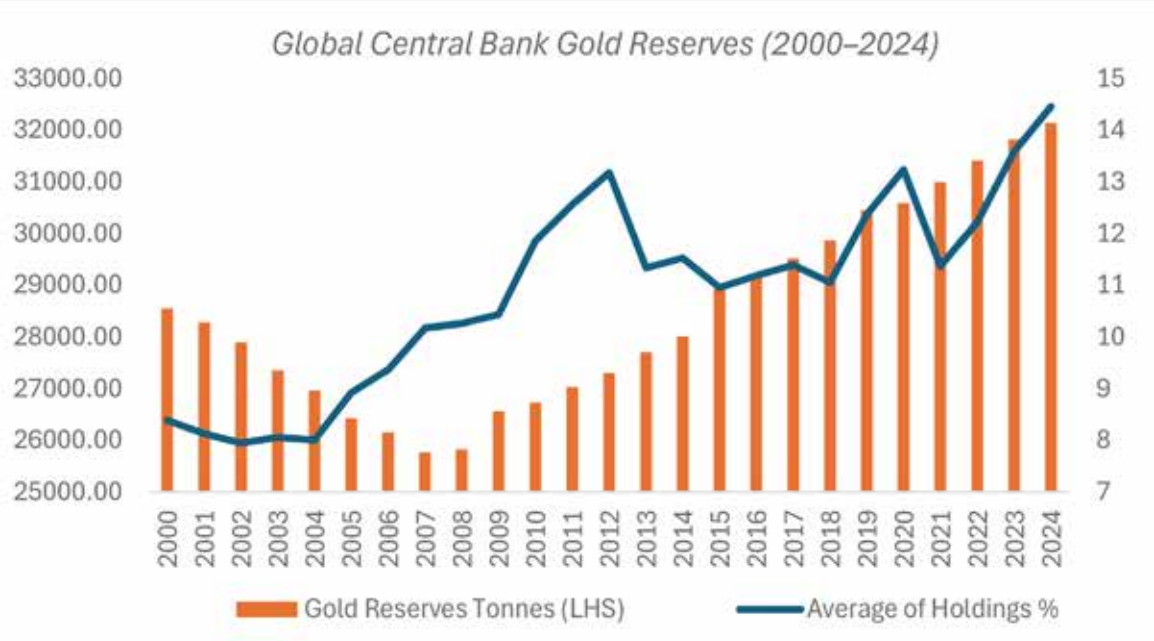

क्षेत्रीय परिदृश्यः पूर्व की ओर गति
इन दो दशकों में, आधिकारिक सोने के स्वामित्व का भौगोलिक वितरण निर्णायक रूप से पूर्व की ओर बढ़ गया। उत्तर अमेरिका और पश्चिमी यूरोप, जिनके पास बड़े पारंपरिक भंडार थे, ज्यादातर स्थिर रहे या अपने भंडार में मामूली कटौती की, जबकि उनका वैश्विक आधिकारिक सोने में हिस्सा धीरे-धीरे घट गया।

गतिशीलता मुख्य रूप से एशिया, यूरासिया और ग्लोबल साउथ के कुछ हिस्सों से आई। पूर्वी एशिया और मध्य/पूर्वी यूरोप संचयन के इंजन बन गए, MENA और अफ्रीका ने लगातार अपने भंडार में जोड़ किया, और दक्षिण एशिया–विशेष रूप से भारत–धीरे लेकिन लगातार आगे बढ़ा, जो राष्ट्रीय बैलेंस शीट और समाजों में सोने की गहरी जड़ को दर्शाता है।

तालिका 1: क्षेत्रीय केंद्रीय बैंक सोने के भंडार, 2000 बनाम 2024 – टन में, USD में मूल्य, और क्षेत्र अनुसार वार्षिक संयुक्त वृद्धि दर (CAGR)।

Region	2000 (tonnes)	2024 (tonnes)	CAGR (Vol.)	2000 (USD bn)	2024 (USD bn)	CAGR (Val.)
North America	~8,050	~8,133	0.1%	71	682	11.1%
Western Europe	~13,000	~12,000	-0.3%	110	550	9.0%
East Asia	~3,100	~7,800	5.1%	27	454	12.1%
Central/ Eastern Europe	~1,000	~3,300	5.0%	8	280	13.5%
Latin America	~700	~750	0.3%	6	45	8.0%
Africa	~450	~680	1.6%	4	40	9.0%
MENA	~850	~1,450	2.4%	7	100	10.0%
South Asia	~320	~980	4.5%	3	84	14.0%

रणनीतिक सोने का बदलाव

रूस, चीन और उभरते बाजारों जैसे उज़्बेकिस्तान, कज़ाखस्तान और भारत के केंद्रीय बैंकों ने 2000–2024 के बीच सोने की ख़रीद में एक पुनर्जागरण का नेतृत्व किया, और कुल मिलाकर 4,449 टन से अधिक का संचय किया–जो पश्चिमी धारकों जैसे स्विट्ज़रलैंड और फ्रांस की बिक्री को काफी पीछे छोड़ देता है, जिन्होंने शुद्ध रूप से 2,000 टन से अधिक खो दिया। यह जानबूझकर किया गया संचय एक रणनीतिक झुकाव को दर्शाता है, जो अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता से हटकर भू-राजनीतिक जोखिम और मुद्रा अस्थिरता के खिलाफ सोने को हेज के रूप में अपनाने की ओर है।

हाल के वर्षों (2020–2024) में इस प्रवृत्ति को और तेज़ किया गया, जिसमें चीन, तुर्की, पोलैंड और भारत ने वैश्विक अनिश्चितता के बीच 1,000 टन से अधिक जोड़ा, जो दर्शाता है कि सोना मुख्य रिज़र्व संपत्ति के रूप में पुनर्जीवित हो रहा है, भले ही कज़ाखस्तान जैसे विक्रेता मौजूद हों। यह पैटर्न एक बहुध्रुवीय पुनर्संतुलन को दिखाता है, जहां पूर्वी बैंक मौद्रिक स्थिरता के वास्तुकार बने हुए हैं।

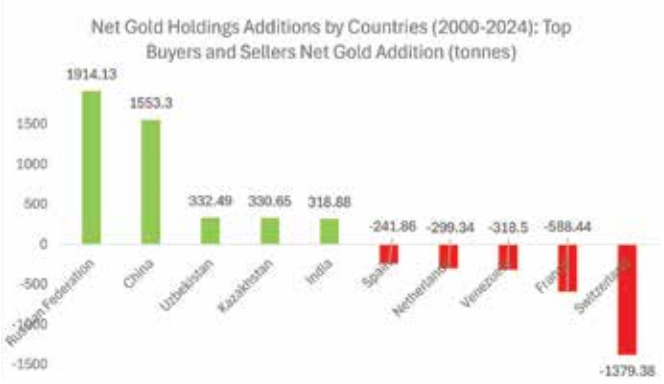

रिज़र्व संरचना में बदलाव: सोने ने फिर से अपनी जगह बनाई

सबसे महत्वपूर्ण विकास केवल टन में नहीं बल्कि कुल रिज़र्व में सोने के बढ़ते हिस्से में निहित है। सोने की गैर-संबंधित और सार्वभौमिक रूप से स्वीकृत संपत्ति के रूप में नई सराहना ने कई केंद्रीय बैंकों में पोर्टफोलियो निर्माण को पुनः आकार दिया। उज़्बेकिस्तान, तुर्की, रूस, कज़ाखस्तान, चीन और भारत जैसे देशों ने रिज़र्व में सोने का हिस्सा महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाया, जबकि मिड-साइज़ अर्थव्यवस्थाएं जैसे मिस्र, कतर और पोलैंड इस प्रवृत्ति में शामिल हुईं। इस बीच, लंबे समय तक धारक–स्विट्ज़रलैंड, यूके, फ्रांस, नीदरलैंड, स्पेन–ने 2000 के दशक की शुरुआत में औपचारिक सोने की बिक्री समझौतों के तहत बिक्री के बाद सोने के भार में गिरावट देखी। "रिज़र्व पोर्टफोलियो में सोने की वापसी केवल मूल्य नहीं दिखाती; यह बहुध्रुवीय दुनिया में स्वतंत्रता का प्रतीक है।"

भारत का शांत लेकिन निर्णायक बदलाव

पिछले एक चौथाई सदी में भारत की यात्रा इस व्यापक परिवर्तन को दर्शाती है। 2000 में, सोना रिज़र्व बैंक ऑफ़ इंडिया के बैलेंस शीट पर एक छोटा, लगभग अवशिष्ट प्रविष्टि था, लगभग 395 टन और कुल रिज़र्व का लगभग 2%। 2024 तक, होल्डिंग्स ने मात्रा में दोगुना और मूल्य में कई गुना वृद्धि की, जिससे सोने का हिस्सा लगभग 5.5% तक पहुँच गया और संपत्ति के स्पष्ट रणनीतिक पुनर्मूल्यांकन का संकेत दिया।

असली मोड़ 2010 के दशक के मध्य के बाद आया। 2015 के आसपास से, RBI ने लगभग स्थिर रुख से धीरे-धीरे सोने का संग्रह करना शुरू किया, हर साल सोना जोड़ते हुए और एक बहुत बड़ा मौद्रिक स्टॉक बनाया। यह मोड़ घरेलू स्तर पर समान नीति नवाचार के साथ मेल खाता है: 2015 के अंत में Sovereign Gold Bond (SGB) योजना की शुरुआत, जिसने सोने में डिमटेरियलाइज्ड और ब्याज वाली एक्सपोज़र प्रदान की, साथ ही भौतिक आयात पर दबाव कम किया। इन कदमों ने मिलकर एक दो-स्तरीय संरचना बनाई जिसमें केंद्रीय बैंक ने शांतिपूर्वक अपने सोने के बैकस्टॉप को मजबूत किया, जबकि जमाकर्ताओं को वित्तीयीकृत सोने की ओर प्रोत्साहित किया गया, जिससे घरेलू बचत व्यवहार को मैक्रो स्तर की रिज़र्व रणनीति के साथ संरेखित किया गया।

चार्ट 3: भारत – सोने के रिज़र्व और कुल रिज़र्व में सोने का हिस्सा (2000–2024) - टन के लिए बार (बाएँ) और रिज़र्व का % के रूप में सोने के लिए लाइन (दाएँ)।

2020 के दशक के पहले हिस्से तक, भारत का दृष्टिकोण धातु में "मौन आत्मविश्वास" के मॉडल में परिपक्व हो गया था। 2020 से 2024 के बीच, RBI के रिज़र्व में सोना टन में भी और पोर्टफोलियो में हिस्सेदारी के रूप में भी बढ़ा, जबकि कुल विदेशी मुद्रा रिज़र्व ने नए उच्च स्तर को छुआ। प्रभावी रूप से, भारत ने सोने के प्रति अपनी गहरी सांस्कृतिक लगाव को आधुनिक, जोखिम-सचेत रिज़र्व ढांचे के साथ मिलाया: अब बुलियन केवल पारंपरिक संपत्ति नहीं है, बल्कि यह मौद्रिक स्थिरता का जानबूझकर पैमाना गया साधन है, जो डॉलर और अन्य मुद्राओं के साथ बैठा है और बाजार और भू-राजनीतिक झटकों के खिलाफ विविधीकृत ढाल का हिस्सा बनता है।

Growth in India's Foreign Exchange Reserves and Gold Holdings (2000–2024)

	2000	2024	Growth	Growth %
Total Reserve in million	41059.06	643042.6	601983.5	1466%
Gold in million	3156.82	73498.28	70341.46	2228%
Gold in tons	357.76	876.18	518.42	145%
Gold as % Reserve	7.7%	11.4%		

Growth in India's Foreign Exchange Reserves and Gold Holdings (2020–2024)

	2020.0	2024	Growth	Growth %
Total Reserve in million	590151	643043	52891	9%
Gold in million	41064	73498	32434	79%
Gold in tons	677	876	200	29%
Gold as % Reserve	7.0%	11.4%		

मोड़ का क्षण: सोने की आधुनिक वापसी: आक्रामक मौद्रिक राहत, बढ़ती बैलेंस शीट और दीर्घकालिक फिएट स्थिरता के सवालों ने नीति निर्माताओं को यह पुनः आकलन करने पर मजबूर किया कि "सुरक्षित" का वास्तविक अर्थ क्या है। उसी समय, भू-राजनीतिक पुनर्संरेखण और वित्तीय प्रतिबंधों का बढ़ता उपयोग यह दर्शाता है कि सीमित रिज़र्व मुद्राओं पर अत्यधिक निर्भरता कितनी कमजोरियाँ उत्पन्न कर सकती है। 2008 के संकट से लेकर महामारी काल के व्यवधानों तक, बाजार संकटों ने बार-बार सोने की रक्षात्मक उपयोगिता की पुष्टि की। जो उभरा वह बीते सोने के मानक के लिए nostalgia नहीं था, बल्कि ठोस, राजनीतिक रूप से तटस्थ संपत्तियों की ओर सचेत पुनः समायोजन था, जो तब विश्वास को स्थिर कर सकती हैं जब कागजी वादों पर सवाल उठते हैं।

2025: वह वर्ष जब भारत ने अपने कीमती धातु ढाँचे को पुनर्गठित किया–HS कोड, TRQs, हॉलमार्किंग और ऋण सुधार

श्री श्रीनिवास मूर्ति, वरिष्ठ सलाहकार, इवेंटेल ग्लोबल एडवाइजरी प्रा. लि.

वर्ष 2025 में, भारत के कीमती धातु क्षेत्र (सोना, चाँदी, प्लेटिनम समूह धातुएँ) ने एक महत्वपूर्ण नीतिगत पुनर्संरचना का अनुभव किया। टैरिफ वर्गीकरण के पुनर्संरेखण से लेकर बंधक-ऋण नियमों तक, हॉलमार्किंग से आयात-कोटा तक, नियामकीय परिदृश्य में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। मुख्य विषय रहेः HS कोड/आयात नीति का सामंजस्य, TRQs के माध्यम से पारदर्शिता और पहुँच, बंधक एवं उपभोक्ता सुरक्षा को सुदृढ़ करना, तथा बाज़ार-उत्पाद शासन।

HS-कोड सामंजस्य एवं आयात-नीति पुनर्संरेखण

एक महत्वपूर्ण बदलाव तब आया जब विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) ने अधिसूचना 08/2025-26 (19 मई 2025) जारी की, जिसके माध्यम से ITC(HS) 2022 वर्गीकरण (अध्याय 71) के अंतर्गत आयात नीति को वित्त अधिनियम 2025 और सीमा शुल्क टैरिफ अनुसूची में किए गए परिवर्तनों के अनुरूप समायोजित किया गया।

इसका अर्थ थाः

- ध्याय 71 के अंतर्गत कीमती धातुओं (जैसे सोना, चाँदी, प्लेटिनम) के लिए नए या संशोधित HS/ITC(HS) कोड।
- टैरिफ लाइनों के अनुरूप अद्यतन आयात-नीति शर्तें (मुक्त / प्रतिबंधित)।
- अपरिष्कृत, अर्ध-निर्मित, मिश्रधातु, आभूषण तथा उनके पुर्जों का अधिक स्पष्ट वर्गीकरण।

जून में, DGFT ने अधिसूचना 18/2025-26 (17 जून 2025) के माध्यम से आयात नीति में और संशोधन किया, जिसके तहत वजन के अनुसार 1% से अधिक सोना युक्त कुछ कीमती धातु मिश्रधातुओं (पैलेडियम, रोडियम, इरिडियम/ऑस्मियम/रुथेनियम) के आयात पर नियंत्रण लगाया गया।

उदाहरण के लिएः Pd/Rh/Ir की वे मिश्रधातुएँ जिनमें >1% सोना है, अब HS कोड 71102100 / 71104900 के अंतर्गत "प्रतिबंधित" श्रेणी में हैं। सीमा शुल्क विभाग (केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड, CBIC) ने इन परिवर्तनों के अनुरूप अधिकारियों के मार्गदर्शन के लिए निर्देश 17/2025-सीमा शुल्क (19 जून) जारी किया।

भारत ने चयनित श्रेणियों के बिना जड़े (unstudded) प्लेटिनम आभूषणों के आयात पर भी प्रतिबंध लगाया है, जो 17 नवंबर 2025 से प्रभावी होगा, जैसा कि विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) द्वारा जारी अधिसूचना में कहा गया है। अब इन वस्तुओं के सभी कंसाइनमेंट के लिए पूर्व अनुमोदन आवश्यक होगा, और यह प्रतिबंध 30 अप्रैल 2026 तक लागू रहेगा।

पूर्व में, ऐसे प्लेटिनम आभूषण–जिनमें अक्सर 90% तक सोना होता था–बिना किसी लाइसेंसिंग आवश्यकता के मुक्त आयात के लिए अनुमत थे।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैः

- आयातकों और सीमा शुल्क ब्रोकरों को अब अधिक कड़े वर्गीकरण ढाँचे का सामना करना पड़ेगा–सामंजस्य के इस वर्ष में गलत वर्गीकरण का जोखिम बढ़ गया है।
- कुछ मिश्रधातुओं का उपयोग करने वाले औद्योगिक उपभोक्ताओं (इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल) को अब सोने की मात्रा की सीमा और लाइसेंसिंग शर्तों की जाँच करनी होगी।
- टैरिफ, आयात नीति और HS कोड के बीच समन्वय अब अधिक स्पष्ट है–जिससे बेहतर अनुपालन और कम ग्रे-एरिया सुनिश्चित होते हैं।

संक्षेप मेंः 2025 और उसके बाद के लिए कीमती धातुओं की आयात नीति संरचना का आधार HS/ITC(HS) पुनर्संरेखण है।

पहुँच, आयात कोटा एवं IFSC-आधारित बाज़ार संरचना

एक अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्र यह है कि आयात पहुँच और बाज़ार अवसंरचना को किस प्रकार अनुकूलित किया गया है। अक्टूबर 2025 में, DGFT ने घोषणा की कि भारत-यूएई CEPA के तहत सोने का TRQ (टैरिफ-रेट कोटा) अब प्रतिस्पर्धी ऑनलाइन बोली/टेंडरिंग के माध्यम से आवंटित किया जाएगा–जो पूर्व की पारंपरिक आवंटन प्रणाली से एक बदलाव है।

इसी समय, इंटरनेशनल फाइनेंशियल सर्विसेज सेंटर्स अथॉरिटी (IFSCA) और इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज (IIBX) ने (10 अक्टूबर 2025) परिपत्र जारी किए, जिनके तहत योग्य ज्वेलर्स और वैध TRQ-धारक IIBX के माध्यम से सोना/चाँदी आयात कर सकते हैं और IFSC-पंजीकृत वॉल्ट्स के जरिए निपटान कर सकते हैं। इससे TRQ पात्रता, आयात लॉजिस्टिक्स और कस्टडी को एक विनियमित, एक्सचेंज-आधारित ढाँचे में जोड़ा गया है।

मुख्य निहितार्थ

- TRQ बोली प्रणाली को लागू करने से कोटा धारकों के लिए बाज़ार अनुशासन, पारदर्शिता और संभावित मूल्य खोज (Price Discovery) को बढ़ावा मिलेगा।
- IIBX + IFSC के माध्यम से आयात से निपटान (Settlement) और कस्टडी प्रक्रियाएँ अधिक सुव्यवस्थित होंगी, जिससे लॉजिस्टिक्स और अनुपालन लागत में कमी आ सकती है।
- ज्वैलर्स और निर्यातकों के लिए TRQ पात्रता तथा IIBX से जुड़ाव पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो जाएगा।
- यह नीति संकेत देती है कि अब पूरी तरह तदर्थ (Ad-hoc) लाइसेंसिंग व्यवस्था से हटकर संरचित, नियम-आधारित बाज़ार पहुँच और अवसंरचना की ओर झुकाव बढ़ रहा है।

उधारी, बंधक एवं उपभोक्ता सुरक्षा उपाय

ऋण क्षेत्र में, भारतीय रिज़र्व बैंक (RBI) ने "सोना और चाँदी बंधक के विरुद्ध उधारी दिशानिर्देश, 2025" जारी किए, जिनमें पहली बार स्पष्ट रूप से चाँदी को योग्य बंधक के रूप में मान्यता दी गई और मूल्यांकन, शुद्धता परीक्षण, अभिरक्षा, नीलामी तथा विमोचन-समयसीमा के संबंध में प्रथाओं का मानकीकरण किया गया। (प्रारूप पहले जारी हुआ; अंतिम रूप मध्य-2025 में।) एक उल्लेखनीय प्रावधानः यदि ऋणदाता पूर्ण पुनर्भुगतान के बाद बंधक को लौटाने में देरी करता है (और देरी के कारण ऋणदाता से संबंधित हों), तो निर्धारित विमोचन समयसीमा से आगे प्रत्येक दिन के लिए उधारकर्ता ₹5,000 प्रतिदिन के मुआवज़े का हकदार होगा।

यह क्यों महत्वपूर्ण हैः

- ऋणदाताओं (बैंक/एनबीएफसी) को अब सोना और चाँदी बंधक के लिए एक समान कार्यप्रणाली अपनानी होगी, जिसमें शुद्धता सत्यापन, दस्तावेज़ीकरण और विमोचन समयसीमा जैसे विस्तृत मानक शामिल हैं।
- उधारकर्ताओं को अधिक सुरक्षा और पूर्वानुमेयता मिलती है–जो विशेष रूप से उच्च-परिमाण वाले गोल्ड-लोन बाज़ार में महत्वपूर्ण है।
- चाँदी को शामिल करने से MSMEs और ज्वेलर्स, जिनके पास चाँदी का स्टॉक है, के लिए नई तरलता के अवसर खुलते हैं।
- बंधक-आधारित उधारी के लिए अनुपालन दायित्व और परिचालन मानक उल्लेखनीय रूप से ऊँचे हुए हैं।

अर्थात, 2025 में कीमती धातुओं से जुड़ी बंधक-ऋण प्रणाली में एक ओर विस्तार (चाँदी का समावेश) हुआ है, तो दूसरी ओर प्रक्रियाओं और कानूनी औपचारिकताओं के माध्यम से इसका औपचारिककरण भी मजबूत हुआ है।

बाज़ार उत्पाद एवं मूल्य निर्धारणः ETFs और मूल्यांकन

जुलाई 2025 में, सेबी (SEBI) ने एक परामर्श पत्र जारी किया, जिसमें प्रस्ताव रखा गया कि गोल्ड और सिल्वर एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ETFs) अपने NAV (नेट एसेट वैल्यू) की गणना के लिए केवल वैश्विक बेंचमार्क पर निर्भर रहने के बजाय घरेलू स्पॉट कीमतों (भारतीय कमोडिटी एक्सचेंजों द्वारा प्रकाशित) को मूल्यांकन संदर्भ के रूप में अपनाएँ। इस पर सुझाव/प्रतिक्रिया अगस्त में बंद हुई।

निवेशकों/एएमसी के लिए प्रभावः

- इस प्रस्ताव से घरेलू बाज़ार की वास्तविकताओं के साथ अधिक निकटता से ट्रैकिंग संभव होगी, जिससे वैश्विक/स्थानीय असंगतियों के दौरान NAV में अंतर कम होगा।
- फंड्स के बीच बेहतर तुलनीयता और खुदरा निवेशकों के लिए अधिक पारदर्शिता।
- घरेलू बुलियन बाज़ार पारिस्थितिकी तंत्र (मूल्य रिपोर्टिंग, एक्सचेंज प्रकाशन) को प्रोत्साहन।
- यद्यपि अंतिम परिपत्र अभी प्रतीक्षित है, यह दिशा मूल्यांकन पद्धति के स्थानीयकरण की ओर संकेत करती है।

गुणवत्ता, ट्रेसबिलिटी एवं हॉलमार्किंग

गुणवत्ता आश्वासन के क्षेत्र में, भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने उपभोक्ता मामले मंत्रालय के साथ मिलकर संशोधित मानक IS 2112:2025 (1 सितंबर 2025 से प्रभावी) के तहत चाँदी के लिए HUID-आधारित स्वैच्छिक हॉलमार्किंग की शुरुआत की–जिसमें सात शुद्धता ग्रेड और डिजिटल ट्रेसबिलिटी की व्यवस्था शामिल है। इसके अतिरिक्त, हॉलमार्किंग का दायरा कथित रूप से 9-कैरेट सोने तक विस्तारित किया गया है, जिसका उद्देश्य वहनीयता बढ़ाना और प्रीमियम आभूषणों से परे उपभोक्ता वर्गों को लक्षित करना है। समाचार रिपोर्टों में अनधिकृत हॉलमार्किंग केंद्रों के विरुद्ध प्रवर्तन कार्रवाई के महत्वपूर्ण मामलों को भी रेखांकित किया गया है।

यह बदलाव क्यों महत्वपूर्ण हैः

- चाँदी, जो ऐतिहासिक रूप से सोने की तुलना में हॉलमार्किंग में कम मानकीकृत रही है, अब औपचारिक ट्रेसबिलिटी प्राप्त करती है–जिससे उपभोक्ता विश्वास और निर्यात विश्वसनीयता को मजबूती मिलती है।
- 9 कैरेट सोने की हॉलमार्किंग कम कीमत वाले वर्गों को औपचारिक प्रमाणन के दायरे में लाती है, जिससे बाज़ार का विस्तार होता है।
- सशक्त प्रवर्तन शुद्धता/नकली जोखिम के विरुद्ध निवारक प्रभाव को मजबूत करता है और औपचारिक आभूषण व्यापार की वृद्धि को समर्थन देता है।

टैरिफ, सीमा शुल्क एवं लागत संरचना

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (CBIC) ने 24 अक्टूबर 2025 को अधिसूचना 45/2025-सीमा शुल्क जारी कर 31 पूर्ववर्ती अधिसूचनाओं को एकीकृत ढाँचे में समाहित कर दिया। इससे कीमती धातुओं और संबंधित वस्तुओं के आयातकों के लिए अनुपालन जटिलता में कमी आई है।

साथ ही, सीमा शुल्क अधिनियम की धारा 14(2) के तहत 1 नवंबर 2025 से प्रभावी सोना और चाँदी के नए टैरिफ मूल्य अपडेट ने अनेक आयातकों–विशेष रूप से वाणिज्यिक रिफाइनर्स और बुलियन हाउस–के लिए लैंडेड कॉस्ट (आयातित लागत) को प्रभावित किया है।

परिचालन संबंधी निष्कर्ष (Operational Take-aways):

- समेकन (Consolidation) का अर्थ है कि सीमा शुल्क अनुपालन में अब कम जटिलताएँ होंगी–स्पष्ट संदर्भ और कम अस्पष्टता।
- टैरिफ वैल्यू में संशोधन से आयातित लागत (landed cost), मार्जिन योजना और आयातकों/रिफाइनरों की हेजिंग धारणाओं पर सीधा प्रभाव पड़ता है।
- आभूषण निर्माताओं और रिफाइनरों को अध्याय 71 के कोड, टैरिफ वैल्यू तालिकाओं और ड्यूटी ड्रॉबैक संशोधनों पर निरंतर निगरानी रखनी चाहिए।

उद्योग के लिए सारांश एवं प्रमुख विषय

- आयात-नीति सामंजस्य (HS कोड पुनर्संरेखण + नीति शर्तें) वर्गीकरण संबंधी अस्पष्टताओं को समाप्त करता है।
- पहुँच एवं वितरण सुधार (TRQ बोली प्रणाली + IFSC लॉजिस्टिक्स) पारदर्शिता बढ़ाते हैं और बाज़ार प्रवाह को सुव्यवस्थित करते हैं।
- वित्तपोषण एवं जोखिम शासन (RBI के बंधक नियम + चाँदी का समावेश) बुलियन से जुड़ी ऋण अवसंरचना को उन्नत करते हैं।
- निवेश उत्पाद एवं मूल्य निर्धारण (SEBI का मूल्यांकन परिवर्तन) घरेलू कीमती धातु पूंजी बाज़ारों की परिपक्वता को दर्शाते हैं।
- गुणवत्ता आश्वासन एवं औपचारिककरण (चाँदी की हॉलमार्किंग + 9K सोना) आभूषण क्षेत्र में विश्वास और विस्तार को समर्थन देते हैं।
- सीमा शुल्क-टैरिफ स्पष्टता (CBIC समेकन + टैरिफ वैल्यू संशोधन) जटिलता और लागत-संबंधी अनिश्चितताओं को कम करती है।

हितधारकों (ज्वेलर्स, आयातक, रिफाइनर्स, ऋणदाता, फंड हाउस) के लिए संदेश स्पष्ट है: सक्रियता आवश्यक है।

वर्गीकरण कोड अपडेट करें, नई आयात/लाइसेंसिंग प्रक्रियाओं के अनुपालन को सुनिश्चित करें, हॉलमार्किंग प्रणालियों को एकीकृत करें, चाँदी-आधारित ऋण के लिए तैयारी करें, ETF/मूल्यांकन परिवर्तनों पर नज़र रखें, और टैरिफ वैल्यू के प्रभाव को अपनी लागत एवं मार्जिन रणनीति में शामिल करें।

क्या ध्यान में रखें (देर-2025/2026)

- DGFT की TRQ ऑनलाइन बोली के पहले दौर के परिणाम: मूल्य निर्धारण, प्रतिभागी, कोटा वितरण।
- सोना/चाँदी ETFs के लिए घरेलू स्पॉट-आधारित मूल्यांकन लागू करने संबंधी SEBI का अंतिम परिपत्र, समयसीमा और संक्रमण योजना सहित।
- BIS द्वारा स्वैच्छिक से अनिवार्य चाँदी हॉलमार्किंग की संभावित पहल, तथा 9K सोने की हॉलमार्किंग को अपनाने की दर।
- RBI द्वारा बंधक विमोचन, मूल्यांकन स्रोतों और चाँदी-ऋण अंडरराइटिंग के संबंध में आगे की स्पष्टीकरण/FAQs।
- CBIC/सीमा शुल्क द्वारा अध्याय 71 कोड, टैरिफ वैल्यू अपडेट या ड्यूटी ड्रॉबैक संशोधनों पर अतिरिक्त स्पष्टीकरण।

निष्कर्ष

वर्ष 2025 भारत की कीमती धातु व्यवस्था के लिए एक निर्णायक मोड़ का वर्ष सिद्ध हुआ है–जहाँ पहले वर्गीकरण और वित्तपोषण मानदंड अपेक्षाकृत ढीले एवं असंगत थे, वहीं अब एक अधिक संरचित, पारदर्शी और एकीकृत पारिस्थितिकी तंत्र आकार ले रहा है। HS-कोड सामंजस्य, बेहतर पहुँच ढाँचे, सुदृढ़ बंधक तंत्र, उत्पाद-बाज़ार सुधार और गुणवत्ता प्रमाणन का संयोजन बुलियन क्षेत्र की परिपक्वता का संकेत देता है। जो हितधारक इन परिवर्तनों–वर्गीकरण, पहुँच संरचनाओं, हॉलमार्किंग और ऋण ढाँचों–के साथ समय रहते स्वयं को संरेखित कर लेंगे, वे 2026 में प्रवेश करते बाज़ार में सर्वोत्तम स्थिति में होंगे।

■■■

बुलियन – डेटा एवं सांख्यिकी

IBJA Rates and LBMA Gold & Silver Price (Per Troy Ounce)

	IBJA Rates		GOLD AM		GOLD PM			SILVER		
DATE	Gold 999 (PM Price) I0 Gms IBJA	Gold 9I6 (PM Price) I0 Gms IBJA	USD AM	EUR AM	USD PM	EUR PM	DATE	IBJA Rates	USD	EUR
01-12-2025	128800	117981	4254.10	3658.95	4238.85	3642.87	01-12-2025	175180	57.49	49.45
02-12-2025	127593	116875	4185.70	3607.24	4214.75	3628.90	02-12-2025	174650	57.44	49.47
03-12-2025	128214	117444	4200.90	3603.11	4210.30	3611.60	03-12-2025	178190	58.37	50.03
04-12-2025	127845	117106	4199.50	3598.55	4200.60	3599.49	04-12-2025	176625	57.57	49.29
05-12-2025	128592	117790	4224.05	3178.43	4243.00	3641.34	05-12-2025	178210	58.11	49.89
08-12-2025	128257	117483	4204.15	3608.00	4188.25	3599.38	08-12-2025	179088	58.38	50.11
09-12-2025	127974	117224	4204.85	3610.28	4198.00	3611.12	09-12-2025	178893	58.63	50.36
10-12-2025	127788	117054	4191.40	3602.93	4200.15	3605.83	10-12-2025	185488	61.04	52.46
11-12-2025	128596	117794	4213.55	3600.06	4230.35	3605.10	11-12-2025	188281	62.12	53.03
12-12-2025	132710	121562	4319.50	3683.67	4346.95	3702.30	12-12-2025	195180	64.51	55.02
15-12-2025	133249	122056	4337.50	3693.82	4315.85	3667.61	15-12-2025	193417	63.87	54.36
16-12-2025	131777	120708	4276.25	3637.81	4324.20	3644.76	16-12-2025	191975	62.98	53.54
17-12-2025	132317	121202	4314.85	3682.72	4342.10	3664.76	17-12-2025	199641	65.95	56.32
18-12-2025	132474	121346	4321.60	3686.76	4333.35	3692.45	18-12-2025	201120	66.30	56.56
19-12-2025	131779	120710	4327.55	3694.43	4337.60	3699.11	19-12-2025	200067	65.79	56.17
22-12-2025	133970	122717	4406.10	3754.44	4421.65	3758.84	22-12-2025	207727	69.22	58.99
23-12-2025	136283	124835	4481.85	3799.26	4449.40	3780.66	23-12-2025	211000	69.74	59.13
24-12-2025	136627	125150	4480.80	3797.93	NA	NA	24-12-2025	218983	72.18	61.21
26-12-2025	137956	126368	4457.75	3785.08	4337.05	3680.42	29-12-2025	228107	74.64	63.43
12-29-2025	136781	125291	4389.45	3728.40	4397.80	3712.63	30-12-2025	235440	74.84	63.61
12-30-2025	134599	123293	4307.95	3670.37	NA	NA	31-12-2025	232329	71.99	61.27

Disclaimer: All references to LBMA Gold Price are used with the permission of ICE Benchmark Administration Limited and have been provided for informational purposes only. ICE Benchmark Administration Limited accepts no liability or responsibility for the accuracy of the prices or the underlying product to which the prices may be referenced.

LBMA Silver Price ("Benchmark") is owned by The London Bullion Market Association ("LBMA"), calculated by CME Benchmark Europe Ltd. ("CMEBEL") and administered by Thomson Reuters Benchmark Services Ltd. ("TRBSL").

None of LBMA, CMEBEL, TRBSL, their group companies, nor any of their or their group companies' respective directors, officers, employees or agents (collectively the "Disclaiming Parties") shall be liable in respect of the accuracy or the completeness of the Benchmark or the market data related thereto ("Market Data") and none of the disclaiming parties shall have any liability for any errors, omissions, delays or interruptions in providing the Benchmark or market data.

DEVELOPING, DRIVING AND CONNECTING ASIA PACIFIC BULLION MARKET

WE BRIDGE OPPORTUNITIES TO GROW YOUR PRECIOUS METALS BUSINESS

OUR VISION & MISSION

Our vision is for Singapore to emerge as a leading precious metals hub in the Asia Pacific region and a global centre of connectivity for precious metals.

Our mission is to support member companies in expanding their businesses within Singapore and leveraging the nation as a launchpad to propel their operations into the Asia Pacific region.

MEMBERSHIP

SBMA is a non-profit member-driven organisation that represents our members from the precious metals industry, including but not limited to bullion banks, exchanges, refineries, trading firms and logistics companies. Our members enjoy wide-ranging benefits from their membership.

FIND OUT MORE:

CORPORATE BROCHURE

बुलियन – डेटा एवं सांख्यिकी

Gold Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Gold	01st Dec	31st Dec	% Change
Australia (AUD)	6478.79	6488.35	0.15
Britain (GBP)	3209.76	3217.17	0.23
Canada (CAD)	5934.86	5937.30	0.04
Europe (Euro)	3652.27	3688.45	0.99
Japan (Yen)	659321.00	678682.00	2.94
Switzerland (CHF)	3409.87	3434.60	0.73
USA (USD)	4241.45	4328.6	2.05

Silver Spot Market International (Per Troy Ounce)			
Spot Silver	01st Dec	31st Dec	% Change
Australia (AUD)	89.45	106.89	19.50
Britain (GBP)	44.32	52.99	19.56
Canada (CAD)	81.93	97.83	19.41
Europe (Euro)	50.43	60.76	20.48
Japan (Yen)	9103	11183	22.85
Switzerland (CHF)	47.09	56.57	20.13
USA (USD)	58.56	71.29	21.74

Monthly Exchange Data (Gold) (From December 01-31)						
Exchange	**Contract**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Gold April 26	4289.40	4616.50	4225.00	4373.90	2.08
SHANGHAI –SHFE[4]	Gold April 26	953.00	1026.60	947.90	982.84	3.01
MCX[1]	Gold April 26	132001.00	144347.00	130000.00	139201.00	6.09
TOCOM[3]	Gold April 26	21078.00	22864.00	20904.00	21982.00	4.07

1- Rs/10 gms, 2- $/oz, 3- Jpy/gm 4 (RMB) Yuan/gram 5 - $/gram

Monthly Exchange Data (Silver) (From December 01-31)						
Exchange	**Contract**	**Open**	**High**	**Low**	**Close**	**% Ch.**
COMEX[2]	Silver Mar 26	57.00	82.67	56.85	70.60	23.51
MCX[1]	Silver Mar 26	177858.00	254174.00	175867.00	235701.00	34.70
TOCOM[3]	Silver April 26	263.00	345.00	263.00	345.00	33.72

1- Rs/kg, 2- $/oz, 3- Jpy 0.1/gm

Gold Spot Market, India			Rs/10gm
Spot Gold	**01st Dec**	**31st Dec**	**% chg**
Ahmedabad	128528.00	132640.00	3.20
Bangalore	126740.00	131930.00	4.09
Chennai	126740.00	131780.00	3.98
Delhi	126630.00	131830.00	4.11
Mumbai	128284.00	132927.00	3.62
Hyderabad	126740.00	131780.00	3.98
Kolkata	127160.00	132350.00	4.08

Currency Change (Monthly)		
	01st Dec	**31st Dec**
EUR/USD	1.16	1.17
USD/AUD	1.53	1.50
USD/GBP	1.32	1.35
USD/INR	89.61	88.87
USD/JPY	155.45	156.67

Silver Spot Market, India			Rs/kg
Spot Silver	**01st Dec**	**31st Dec**	**% chg**
Mumbai	175180.00	230420.00	31.53

www.mcxindia.com
www.Ncdex.com
www.cmegroup.com
www.tocom.or.jp/Indian
www.barchart.com
www.forexpros.com
Domestic Spot precious metals prices Newspaper
www.lbma.org.uk/index.html
www.netdania.com

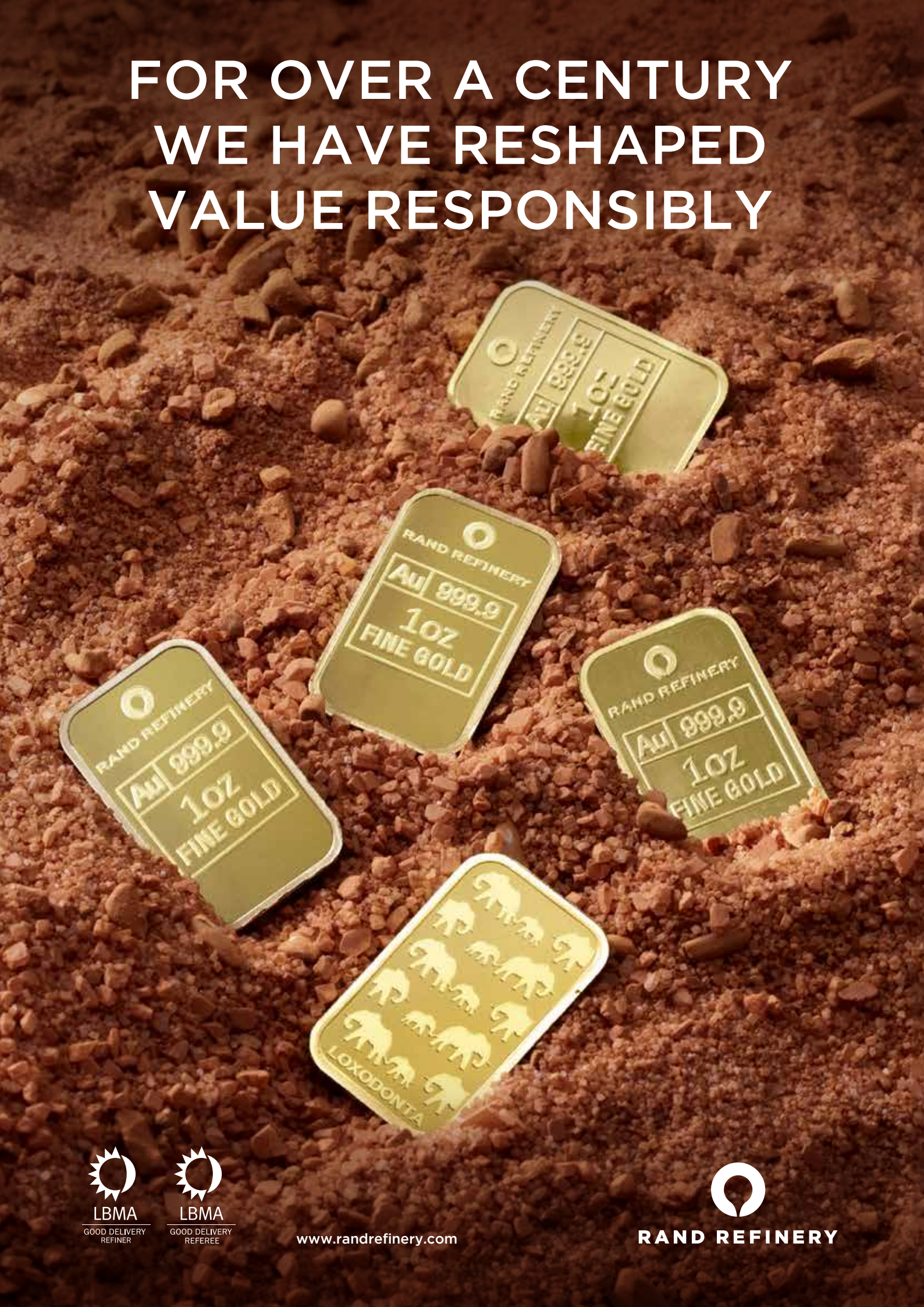

FOR OVER A CENTURY
WE HAVE RESHAPED
VALUE RESPONSIBLY
RAND REFINERY
Au
999.9
1oz
FINE GOLD
LOXODONTA
LBMA
GOOD DELIVERY
REFINER
LBMA
GOOD DELIVERY
REFEREE
www.randrefinery.com
RAND REFINERY

DIGIGOLD™

RESERVING TODAY & TOMORROW

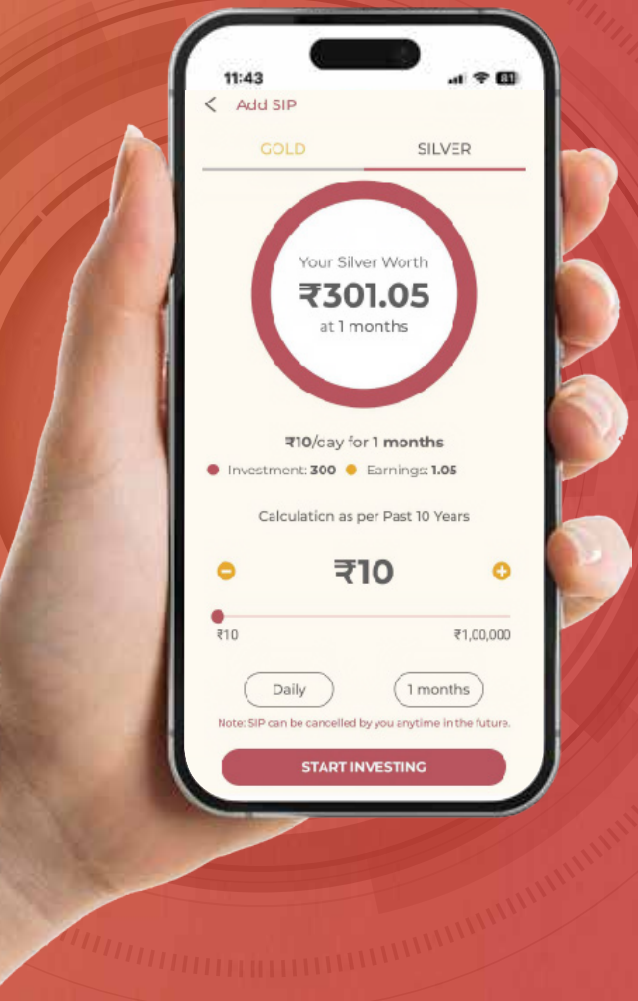

Start the Year with Silver as a Habit

Invest in a Silver SIP with Just ₹10.

BUY

SELL

SIP

GIFT

DELIVERY

FREE STORAGE

24K PURE

SCAN & PAY

Join the growing community of 2,00,000+ DigiGold investors.

Download the **DIGIGOLD App** today

Preferred Refinery

Powered by Amrapali Gujarat

NABL ISO / IEC 17025 Accredited

Bureau of Indian Standards

ISO 9001:2015

www.digigold.com

fleekmedia

IAGES
Indian Association for
Gold Excellence and Standards
An Industry Initiative

Partners

Be part of IAGES accredited jewellers network

Because customers trust jewellers backed by IAGES Accreditation.

#PehlaCheckIAGES

Join the Mission. Register with IAGES

Eligible Businesses:

Refining | Bullion Trading | Manufacturing | Assaying & Hallmarking
Retailing | Digital Gold Retailing

Check IAGES Accredited Partners:

Connect with us at:
1800 309 2424 | www.iages.com

MMTC-PAMP
Swiss Excellence. Made in India.

THE QUEEN WHO DEFINED AN ERA, NOW HER LEGACY IS EMBOSSED IN GOLD

ARRIVING SOON

LIMITED EDITION